राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

गौरवशाली भारत

दिल्ली से प्रकाशित

R.N.I. NO. DELHIN/2011/38334 | वर्ष: 11 | अंक: 180 | पृष्ट : 08, | नई दिल्ली, मंगलवार , 11 जनवरी 2022 | मूल्य: 1.50/-

दफ्तरों में आधे कर्मचारी आयें और 'वर्क फ्रॉम होम को दें बढ़ावा : योगी

योगी का बड़ा बयान, जिसमें होगा दम, वही बनाएगा मथुरा में मंदिर

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कोरोना संक्रमण के बढ़ते खतरे पर प्रभावी नियंत्रण के लिये सभी कार्यालयों में कर्मचारियों की एक समय में आधी संख्या को ही बुलाने और घर से ही कामकाज (वर्क फ्रॉम होम) को बढ़ावा देने सहित अन्य एहतियाती उपाय करने के निर्देश दिये हैं। योगी ने सरकार की कोविड प्रबंधन टीम की बैठक में सोमवार को कहा कि प्रदेश के सभी शासकीय एवं निजी कार्यालयों में (आवश्यक सेवाओं के अलावा) एक समय में 50 प्रतिशत कार्मिकों की भौतिक उपस्थिति की व्यवस्था लागू की जाए। साथ ही उन्होंने आवश्यकतानुसार 'वर्क फ्रॉम होम संस्कृति को प्रोत्साहित करने के निर्देश दिये। मुख्यमंत्री के दिशानिर्देशों के मुताबिक निजी क्षेत्र के कार्यालयों में सेवारत कोई कर्मचारी यदि कोविड पॉजिटिव होता है तो उसे भी न्यूनतम 07 दिनों के वेतन के साथ अवकाश दिया जाये। सभी कार्यालयों में कोविड हेल्प डेस्क की स्थापना अनिवार्य रूप से हो। बिना स्क्रीनिंग किसी को प्रवेश न दें। बता दें कि प्रदेश में सोमवार को कोरोना के कुल सक्रिय मामले 33,946 है। इनमें 33,563 लोग होम आइसोलेशन में स्वास्थ्य लाभ ले रहे हैं। बहुत कम संख्या में लोगों को अस्पताल पहुंचाने की जरूरत पड़ी है। विशेषज्ञों का मानना है कि ओमीक्रॉन वैरिएंट कोरोना वैरिएंट्स की तुलना में बहुत कम नुकसानदेह है। वैक्सीन कवर ले चुके स्वस्थ-सामान्य व्यक्ति के लिए यह बड़ा खतरा नहीं है।

जानकारों का कहना है कि कोरोना प्रोटोकॉल का हर हाल में अनुपालन जरूरी है। घबराने की नहीं, सावधानी और सतर्कता की जरूरत है। बैठक में मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव के दृष्टिगत टीकाकरण कार्य को और तेज करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि चुनाव कार्यक्रम के अनुसार चरणबद्ध रूप से जनपदों को चिन्हित करते हुए शत प्रतिशत टीकाकरण का लक्ष्य तय किया जाए। मतदान तिथि के 10 दिन पहले संबंधित जनपद के हर एक नागरिक को टीका-कवर मिलना सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने इस बाबत अधिकारियों को विस्तृत कार्ययोजना आज शाम तक तैयार कर प्रस्तुत करने को कहा है। गौरतलब है कि 21 करोड़ 39 लाख से अधिक कोविड टीकाकरण और 09 करोड़ 48 लाख से अधिक टेस्टिंग करके उत्तर प्रदेश टेस्टिंग और टीकाकरण देश में प्रथम स्थान पर है। इनमें 13 करोड़ 47 लाख अधिक लोगों ने टीके की पहली प्राप्त कर ली है, जबकि 7 करोड़ 91 लाख से अधिक लोग कोविड टीके का दोनों डोज लेकर सुरक्षा कवर पा चुके हैं। गत रविवार तक 15 से 18 आयु वर्ग के बच्चों के कोविड टीकाकरण में 24 लाख 22 हजार से अधिक किशोरों ने टीका कवर प्राप्त कर लिया है। टीके की उपयोगिता को देखते हुए जल्द से जल्द सभी पात्र लोगों का वैक्सीनेशन किया जाए। अधिकाधिक स्कूलों में विशेष शिविर लगाए जाएं। बैठक में मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि सभी सरकारी एवं निजी अस्पतालों में ओपीडी मरीजों के लिए ऑनलाइन अपॉइंटमेंट को प्रोत्साहित किया जाये। विशेष परिस्थिति में ही मरीजों को अस्पताल जाने की अपील की गयी है।

उन्होंने कहा कि मरीजों के लिए दूरस्थ चिकित्सा परामर्श (टेली कंसल्टेशन) की सुविधा का विकल्प दिया जाना चाहिए। साथ ही बस, रेलवे स्टेशन, एयरपोर्ट आदि पर टेस्टिंग के दौरान कोविड पॉजिटिव पाए जा रहे लक्षण युक्त लोगों को संस्थागत आइसोलेशन में रखा जाये। इनके लिए क्वारंटाइन सेंटर, भोजन और समुचित उपचार की पुख्ता व्यवस्था की जाये।

संक्षिप्त समाचार

इन चुनावों में नफरत को हराने का सही मौका: राहुल गांधी

नयी दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को कहा कि पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में नफरत को हराने का सही मौका है। उन्होंने 'इलेक्शन 2022 हैशटैग के साथ ट्वीट किया, 'नफरत को हराने का सही मौका है। उल्लेखनीय है कि निर्वाचन आयोग ने गत शनिवार को पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों के कार्यक्रमों की घोषणा की। उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव के तहत 10 फरवरी से लेकर सात मार्च तक सात चरणों में मतदान होगा, वहीं उत्तराखंड, पंजाब और गोवा में एक ही चरण में 14 फरवरी को वोट डाले जाएंगे। मणिपुर में दो चरणों में 27 फरवरी और तीन मार्च को मतदान होगा। इन पांचों राज्यों के विधानसभा चुनाव की मतगणना 10 मार्च को होगी।

कोरोना का असर, काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भ गृह में भक्तों के प्रवेश पर लगी रोक

वाराणसी (संवाददाता)। कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए काशी विश्वनाथ मंदिर के गर्भ गृह में भक्तों के प्रवेश पर अगले आदेश तक रोक लग गई है। वाराणसी में लगातार कोविड-19 संक्रमण बढ़ रहा है। जिसके चलते अब सोशल डिस्टेंसिंग के साथ गर्भ गृह के बाहर से ही भक्त दर्शन कर सकेंगे। कमिश्नर दीपक अग्रवाल ने बताया कि दूसरे शहरों से रोजाना भारी संख्या में भक्त आ रहे हैं, इसलिए कोरोना से बचाव के लिए यह नियम लागू हो रहे हैं। वर्तमान में 1378 कोरोना के एक्टिव केस हैं।

बिक्रम मजीठिया को हाईकोर्ट से मिली बड़ी राहत

चंडीगढ़ (एजेंसी)। अकाली दल के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री बिक्रम मजीठिया को ड्रग्स मामले में बड़ी राहत मिली है। उन्हें हाई कोर्ट से ड्रग्स मामले में अग्रिम जमानत मिल गई है। जानकारी के अनुसार मोहाली कोर्ट में सुनवाई का फैसला हक में न होने पर बिक्रम मजीठिया हाईकोर्ट में याचिका दायर करते हुए अपना पक्ष रखा था। अगामी चुनावों में अकाली दल व बिक्रम मजीठिया राहत मिल गई है।

बता दें बिक्रम मजीठिया पर ड्रग्स मामले को लेकर एफ.आई.आर. दर्ज की गई थी तभी से राजनीति काफी गरमाई हुई थी। बिक्रम मजीठिया भी तभी से फरार चले आ रहे थे। अकाली दल द्वारा बिक्रम मजीठिया की जमानत के लिए भी प्रयास किए जा रहे हैं। इसके अलावा पंजाब पुलिस बिक्रम मजीठिया की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी कर रही थी।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना पॉजिटिव

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह कोरोना संक्रमित हो गए हैं। राजनाथ सिंह ने खिद ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया कि मेरी रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई है, मैं होम क्वारंटीन हूं। राजनाथ सिंह ने लिखा कि मेरे संपर्क में आए लोगों से अपील है कि वे अपना कोरोना टेस्ट करवाएं और खुद को आइसोलेट कर लें। बता दें कि देश में कोरोना की तीसरी लहर दस्तक दे चुकी है। कई बड़े दिग्गज नेताओं, फिल्मी हस्तियों समेत दिल्ली-महाराष्ट्र के कई पुलिसकर्मी भी कोरोना की चपेट में आए हैं। हाल ही में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने भी कोरोना हुआ था। अब केजरीवाल की कोरोना रिपोर्ट निगेटिव आ गई है।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार भी हुए कोरोना पॉजिटिव, खुद को किया आइसोलेट

(एजेंसी)

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए हैं और वर्तमान में डॉक्टरों की सलाह के अनुसार उन्होंने खुद को आइसोलेट कर लिया है। मुख्यमंत्री कार्यालय द्वारा हिंदी में एक ट्वीट में कहा गया है कि मुख्यमंत्री ने सभी से वायरस के प्रति सावधानी बरतने की अपील की है। सीएमओ ने ट्विट करते हुए कहा कि माननीय मुख्यमंत्री नीतीश कुमार कोरोना जाँच में पॉजिटिव पाये गए हैं। चिकित्सकों की सलाह पर वह होम आइसोलेशन में हैं। उन्होंने सभी से कोविड अनुकूल सावधानियां बरतने की अपील की है। बिहार में कोरोना संक्रमण जिस तेजी से फैल रहा है, उसने स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों और सरकार को चिंता में डाल दिया है। वहीं, आम लोग भी कोरोना की पहली और खासकर दूसरी लहर की भयावहता को देखकर इस बार सहमे हुए हैं। बीते 24 घंटे की बात करें तो राज्य में कोरोना के 5022 नए मरीज मिले हैं। इसमें केवल पटना में 2018 मरीज मिले हैं।

प्रधानमंत्री मोदी राष्ट्रीय युवा उत्सव का उद्घाटन करेंगे

(एजेंसी) नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी स्वामी विवेकानंद की जयंती पर पुडुचेरी में 12 जनवरी को 25वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव का उद्घाटन करेंगे। स्वामी विवेकानंद की जयंती को राष्ट्रीय युवा दिवस के तौर पर मनाया जाता है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि वह वीडियो कांफ्रेंस के जरिए इस कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे। मोदी ने ट्वीट किया, ''मैं 12 जनवरी को वीडियो कांफ्रेंस के जरिए 25वें राष्ट्रीय युवा महोत्सव में भाग लूंगा। अपने युवा दोस्तों को कार्यक्रम में शामिल होने के लिए कहने के अलावा मैं उनसे भी अपनी राय साझा करने का अनुरोध करता हूं। भारत के प्रतिभाशाली युवाओं को सुनकर हमेशा खुशी होती है।'' पीएमओ ने कहा कि इस महोत्सव का उद्देश्य भारत के युवाओं के विचारों को आकार देना और उन्हें राष्ट्र निर्माण के लिए एक संयुक्त शक्ति में बदलना है। उसने बताया कि यह सामाजिक एकता और बौद्धिक तथा सांस्कृतिक एकीकरण के सबसे बड़े अभ्यासों में से एक है। इसका मकसद भारत की विविध संस्कृतियों को साथ लाना और उन्हें 'एक भारत, श्रेष्ठ भारत' के एक सूत्र में पिरोना है। इस साल कोविड की बदलती स्थिति के मद्देनजर यह महोत्सव 12-13 जनवरी को डिजिटल तरीके से होना है। पीएमओ के अनुसार, उद्घाटन के बाद राष्ट्रीय युवक शिखर सम्मेलन होगा, जहां चार चिह्नित विषयों पर चर्चा होगी। समारोह के दौरान मोदी ''मेरे सपनों का भारत'' और ''अनसंग हीरोज ऑफ इंडियन फ्रीडम मूवमेंट'' पर चयनित निबंधों को जारी करेंगे। दोनों विषयों पर एक लाख से अधिक युवाओं से मिले निबंधों में से इन निबंधों को चुना गया है। वह पुडुचेरी में करीब 122 करोड़ रुपये की लागत से स्थापित एमएसएमई मंत्रालय के प्रौद्योगिकी केंद्र का उद्घाटन करेंगे।

कोरोना के हल्के लक्षण वाले मरीजों का घर में उपचार संभव, मोलनुपिराविर कोई जादुई दवा नहीं: एम्स डॉक्टर

(एजेंसी)

नयी दिल्ली। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) के एक डॉक्टर ने सोमवार को कहा कि कोरोना वायरस के नए स्वरूप ओमीक्रोन के कारण बढ़ते मामलों के दौरान अब तक कोविड मरीजों में हल्के लक्षण देखने को मिल रहे हैं जिनका घर पर ही उपचार संभव है। साथ ही डॉक्टर ने इस बात पर भी जोर दिया कि कोविड-19 बीमारी के लिए एंटी-वायरल मोलनुपिराविर कोई जादुई दवा नहीं है। एम्स के मेडिसिन विभाग में अतिरिक्त प्रोफेसर डॉ नीरज निश्चल ने अब तक कोविड-19 के उपचार के लिए कोई दवा उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि मरीज की गहन निगरानी सबसे जरूरी है, खासकर अधिक जोखिम वाले ऐसे बुजुर्ग जोकि पहले से बीमारियों की चपेट में हैं या ऐसे लोग जिन्होंने अब तक टीकाकरण नहीं कराया है। निश्चल ने पीटीआई-से कहा, महामारी का ये मतलब नहीं है कि जब तक आपका डॉक्टर आपको कई तरह की दवाएं या नयी तरह की गोलियां नहीं देता, तब तक आप ठीक नहीं हो सकते। आखिरकार, धैर्य, सकारात्मक विचार और पेरासिटामोल से भी अधिकतर मरीज ठीक हो सकते हैं। उन्होंने कहा, महामारी की तीसरी लहर के दौरान अधिकतर संक्रमित लोगों में अब तक हल्का संक्रमण देखने को मिला है जिसका बिना किसी विशेष उपचार के घर पर ही इलाज संभव है। केंद्र सरकार ने सोमवार को कहा है कि इस समय सामने आ रहे 5-10 प्रतिशत संक्रमित लोगों को ही अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत पड़ रही है। हालांकि, चेताया है कि ये हालात तेजी से बदल भी सकते हैं, ऐसे में पूरी सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। हाल में मंजूर की गई मोलनुपिराविर के बारे में डॉ निश्चल ने कहा कि इसे जादुई दवा के तौर पर प्रचारित किया जा रहा है, जबकि ऐसा नहीं है। उन्होंने कहा कि लोगों को यह याद रखना चाहिए कि इस दवा को केवल सीमित आपातकालीन उपयोग के लिए मंजूरी दी गई है।

दिल्ली में बढ़ते कोरोना कहर के बीच बढ़ी पाबंदियां, रेस्त्रां और बार बंद, पैक कराने की सुविधा होगी उपलब्ध

नयी दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में कोरोना के बढ़ते मामलों को देखते हुए पाबंदियां और ज्यादा बढ़ा दी गई हैं। ऐसे में अब रेस्त्रां और बार को बंद करने का निर्णय लिया गया है। हालांकि रेस्त्रां से खाना पैक कराने की सुविधा उपलब्ध रहेगी। दिल्ली आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (डीडीएमए) ने सोमवार को हुई बैठक में रेस्त्रां और बार को बंद करने का निर्णय लिया। इससे पहले पिछले मंगलवार को डीडीएमए की बैठक हुई थी, जिसमें वीकेंड कर्फ्यू लगाने का निर्णय लिया गया था। हालांकि, आज की बैठक में फिलहाल लॉकडाउन नहीं लगाने का निर्णय लिया गया। दिल्ली में कोरोना संक्रमण से 17 और लोगों की मौत हो गई वहीं संक्रमण के 19,166 नए मामले सामने आए जबकि संक्रमण दर 25 प्रतिशत रही। वहीं रविवार को कोरोना के 22,751 मामले सामने आए थे। जो पिछले साल एक मई के बाद से किसी एक दिन में संक्रमण के सबसे ज्यादा मामले थे। एक मई को संक्रमण के 25,219 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 31.61 प्रतिशत रही थी। दिल्ली में 5 से 9 जनवरी तक कोरोना के 46 मरीजों ने अपना दम तोड़ा। सरकार द्वारा जारी किए गए आंकड़े के मुताबिक, जान गंवाने वाले 46 में से 25 मरीज 60 साल से अधिक उम्र के थे। जबकि 14 लोगों की उम्र 41 और 60 के बीच थी और 5 मरीज 21 से 40 साल की उम्र के थे। एक अधिकारी ने बताया कि 32 मरीजों को आईसीयू में भर्ती कराया गया था और वे ज्यादातर वैसे लोग थे जिन्हें सांस की गंभीर बीमारी, कैंसर, हृदयरोग जैसी अन्य बीमारियां थीं। उनके अनुसार 21 ऐसे रोगी थे जिन्हें अन्य स्वास्थ्य समस्याएं थीं और भर्ती कराने के बाद जांच में कोरोना संक्रमित पाए गए। जबकि 37 मरीज ऑक्सीजन लेवल 94 फीसद के नीचे जाने के बाद अस्ताल लाए गए थे।

इस बार 5-10 प्रतिशत मरीजों को भर्ती कराने की जरूरत हो रही है, परंतु स्थिति बदल सकती है: केंद

(एजेंसी)

नयी दिल्ली केंद्र ने सोमवार को कहा कि इस बार अब तक पांच से दस प्रतिशत उपचाराधीन रोगियों को ही अस्पतालों में भर्ती करने की जरूरत हो रही है लेकिन स्थिति गतिशील है एवं बदल भी सकती है, ऐसे में राज्य घरों में पृथक-वास रह रहे या अस्पताल में भर्ती मरीजों पर नजर रखें। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव राजेश भूषण ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को भेजे पत्र में कहा कि देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के दौरान अस्तपालों में भर्ती की जरूरत वाले रोगी 20-23 प्रतिशत थे। उन्होंने लिखा है कि ऐसा जान पड़ता है कि देश के विभिन्न हिस्सों में नये स्वरूप ओमीक्रोन के आने एवं डेल्टा के बने रहने के कारण कोविड-19 के मामले बढ़े हैं, ऐसे में कोविड प्रबंधन के वास्ते मानव संसाधन खासकर स्वास्थ्यकर्मियों की संख्या बढ़ाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, '' वर्तमान वृद्धि में, अबतक पांच से दस प्रतिशत उपचाराधीन रोगियों को अस्तपालों में भर्ती करने की जरूरत पड़ रही है। स्थिति गतिशील एवं परिवर्तनशील है। इसलिए अस्पतालों में भर्ती करवाने की जरूरत की स्थिति तेजी से बदल सकती है।' उन्होंने लिखा कि सभी राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को उपचाराधीन रोगियों की कुल संख्या, घरों में पृथक-वास में रह रहे मरीजों की संख्या, अस्पतालों में उपचाररत रोगियों की संख्या, ऑक्सीन बेड वाले मरीजों की संख्या, आईसीयू बेड, जीवनरक्षक प्रणाली की जरूरत आदि पर दैनिक रूप से नजर रखने की सलाह दी गयी है।

स्वास्थ्य सचिव ने कहा,'' इस निगरानी के आधार पर स्वास्थ्यकर्मियों की जरूरत एवं अस्पतालोंध् उपचार केंद्रों में उनकी उपलब्धता की रोजाना आधार पर समीक्षा की जानी चाहिए जैसा कि दूसरी लहर के दौरान किया गया था। विशाल स्वास्थ्य केंद्र, क्षेत्रीय अस्पताल, अस्थायी अस्पताल खोलने जैसे कदम उठाने को लेकर विभिन्न राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों की तारीफ करते हुए भूषण ने कहा कि अवसंरचनाओं एवं मानव संसाधनों की अपनी सीमाएं हैं, इसलिए जहां भी संभव हो, स्वास्थ्यकर्मियों की अलग अलग टुकड़ियां बनाकर उनको पालियोंध् चरणों में रखना जरूरी है। उन्होंने कहा है कि अस्पतालों एवं स्वास्थ्य केंद्रों में कोविड एवं गैर कोविड क्षेत्रों में स्वास्थ्यकर्मियों के प्रबंधन के लिए नौ जनवरी को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी परामर्श का कड़ाई से पालन महत्वपूर्ण है। मंत्रालय ने राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को कोविड देखभाल से जुड़े निजी क्लीनिकों में विभिन्न श्रेणियां तय करने का सुझाव दिया। भूषण ने पत्र में लिखा, ''यह भी सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि ऐसे स्वास्थ्य केंद्रों द्वारा लगाये जाने वाला शुल्क तर्कसंगत हो और अत्यधिक शुल्क वसूलने के मामलों, यदि कोई हो,की निगरानी की जाए एवं उन पर कार्रवाई की प्रणाली हो। उन्होंने टेली कंसलटेशन सेवाओं के लिए सेवानिवृत्त चिकित्सा पेशेवरों और एमबीबीएस विद्यार्थियों की सेवा लेने तथा कोविड देखभाल केंद्रों पर सामुदायिक स्वयं सेवियों को मूलभूत देखभाल एवं प्रबंधन में कौशल प्रशिक्षण देने का सुझाव दिया।स्वास्थ्य सचिव ने घरों के पृथक-वास या कोविड देखभाल केंद्रों से रोगियों को कोविड समर्पित अस्पतालों तक सुगमता से ले जाने के लिए अतिरिक्त एंबुलेंस या निजी वाहनों का प्रबंध करने का भी सुझाव दिया।

कुलगाम के हुसैनपोरा गांव में सुरक्षाबलों ने अल बद्र के 2 आतंकियों को किया ढेर

(एजेंसी)

जम्मू। इस साल की 8वीं मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अल बद्र के दो आतंकियों को ढेर कर दिया है। इसके साथ ही पिछले 10 दिनों में मरने वाले आतंकियों का आंकड़ा बढ़ कर 13 पहुंच गया है। दक्षिण कश्मीर के जिला कुलगाम के हुसैनपोरा गांव में सुरक्षाबलों और आतंकवादियों के बीच गत रविवार रात से जारी मुठभेड़ में सुरक्षाबलों ने अल-बद्र के दो शीर्ष आतंकवादियों को मार गिराया है। यही नहीं मुठभेड़ स्थल से भारी मात्रा में हथियार व गोलाबारूद भी बरामद हुए हैं। मारे गए आतंकियों की पहचान की जा रही है। यह वर्ष 2022 की 8वीं मुठभेड़ थी। सुरक्षाकर्मी इन 10 दिनों में 13 आतंकियों को ढेर कर चुके हैं। मारे गए इन आतंकियों में 6 पाकिस्तानी आतंकी थी। पुलिस के अनुसार रविवार शाम को यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब सुरक्षाबलों को इस गांव में आतंकियों के छिपे होने की जानकारी मिली। इसके तुरंत बाद पुलिस, सीआरपीएफ और सेना की संयुक्त टीम ने गांव में घेराबंदी कर तलाशी अभियान शुरू कर दिया। जैसे ही सुरक्षाबल आतंकियों के छिपे ठिकाने के पास पहुंचे, आतंकियों ने उन पर गोलीबारी शुरू कर दी। इससे मुठभेड़ शुरू हो गई। हालांकि इसके बाद सुरक्षाबलों ने मौके पर मौजूद आतंकियों को आत्मसमर्पण करने के लिए भी कहा लेकिन वे नहीं माने।

गोवा के मंत्री माइकल लोबो और विधायक प्रवीण जान्त्ये ने दिया पद से इस्तीफा

भाजपा छोड़ी, कांग्रेस में शामिल होने की अटकलें

(एजेंसी), पणजी। गोवा के मंत्री एवं भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के विधायक माइकल लोबो तथा पार्टी के एक अन्य विधायक प्रवीण जान्त्ये ने अगले महीने होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव से पहले सोमवार को पार्टी और विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। भाजपा की गोवा इकाई ने बाद में कहा कि इस तरह के कदमों से 14 फरवरी को होने वाले राज्य विधानसभा चुनाव में पार्टी की संभावनाओं पर कोई असर नहीं पड़ेगा। कलंगुट विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व कर रहे और राज्य बंदरगाह तथा अपशिष्ट प्रबंधन विभागों का प्रभार संभाल रहे लोबो ने आज सुबह अपना इस्तीफा मुख्यमंत्री कार्यालय (सीएमओ) एवं गोवा विधानसभा के अध्यक्ष को भेज दिया। सूत्रों के अनुसार, वह कांग्रेस में शामिल हो सकते हैं। उन्होंने बाद में संवाददाताओं से कहा, मैंने दोनों पद से इस्तीफा दे दिया है। मैं देखूंगा कि आगे मुझे क्या कदम उठाने हैं। मैंने भाजपा से भी इस्तीफा दे दिया है। कांग्रेस में शामिल होने की संभावनाओं के बारे में पूछे जाने पर लोबो ने कहा कि उनकी अन्य राजनीतिक दलों से बातचीत चल रही है। उन्होंने दावा किया कि लोग इस तटीय राज्य में भाजपा के शासन से नाखुश हैं। उन्होंने कहा, मतदाताओं ने मुझसे कहा कि भाजपा अब आम लोगों की पार्टी नहीं रही। कुछ ही घंटे बाद माइम से विधायक जान्त्ये ने भी भाजपा और राज्य विधानसभा से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वह पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर परिकर के कहने पर भाजपा में शामिल हुए थे और परिकर के निधन के बाद उन्हें पार्टी में दरकिनार कर दिया गया था। भारत के निर्वाचन आयोग ने शनिवार को घोषणा की कि गोवा विधानसभा की सभी 40 विधानसभा सीटों पर चुनाव 14 फरवरी को होंगे। गोवा में इस बार मुकाबला प्रमुख रूप से भाजपा, कांग्रेस, गोवा फॉरवर्ड पार्टी (जीएफपी), महाराष्ट्रवादी गोमंतक पार्टी (एमजीपी), आम आदमी पार्टी (आप), तृणमूल कांग्रेस पार्टी (टीएमसी) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के बीच है। पिछले विधानसभा चुनाव में गोवा में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी, लेकिन पूर्ण बहुमत से दूर रह गयी और सरकार बनाने में विफल रही।

सार समाचार

कोविड की रोकथाम के लिये अमेरिकी सेना पर पाबंदी को लेकर हुआ समझौता : जापानी प्रधानमंत्री

तोक्यो। जापान के प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा ने रविवार को कहा कि कोविड-19 को लेकर बढ़ रही चिंताओं के बीच अमेरिका के साथ एक बुनियादी समझौता हुआ है, जिसके तहत अमेरिकी सैनिकों के लिये जापान में स्थित अड्डे को छोड़ने पर पाबंदी रहेगी। किशिदा ने कहा कि अमेरिकी सैनिक अड्डे पर ही रहेंगे। वे केवल बहुत जरूरी होने पर ही अड्डे को छोड़ेगें, जिसका अर्थ है कि आपात स्थिति या सुरक्षा कारणों से ही वे बाहर निकल पाएंगे। प्रधानमंत्री ने फुजी टीवी पर कहा कि समझौते के विवरण पर अभी काम किया जा रहा है और अमेरिका के साथ संपूर्ण सुरक्षा समझौते में कोई बदलाव नहीं होगा। जापान ने पिछले हफ्ते अमेरिका से अपने सैन्य कर्मियों को अड्डे पर ही रखने के लिए सहयोग मांगा था। जापान में हाल में कोविड-19 के नए मामलों में तेज वृद्धि देखी गई है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे छठी लहर करार दिया है। शनिवार को चार महीने बाद संक्रमण के सबसे अधिक आठ हजार से ज्यादा मामले सामने आए। मामलों में वृद्धि का एक कारण अमेरिका सेना को भी बताया जा रहा है, क्योंकि ज्यादातर नए मामले उसके सैन्य अड्डे के आसपास से सामने आ रहे हैं।

तालिबान ने सरकार के मुखर आलोचक प्रोफेसर को गिरफ्तार किया

काबुल। तालिबान ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के लोकप्रिय प्रोफेसर तथा अफगानिस्तान के मौजूदा शासन समेत विभिन्न सरकारों के मुखर आलोचक को गिरफ्तार किया है। समूह के प्रवक्ता जबीउल्ला मुजाहिद ने रविवार को यह जानकारी दी। मुजाहिद ने ट्वीट किया कि फजीउल्ला जलाल को तालिबान की खुफिया इकाई ने हिरासत में रखा है। समूह ने प्रोफेसर पर सोशल मीडिया पर बेतुकी टिप्पणियां करने का आरोप लगाया जिनसे लोगों को सरकार के खिलाफ भड़काया जा रहा है।' तालिबान ने 20 साल तक चले युद्ध के बाद 31 अगस्त को अमेरिकी सेना की वापसी से पहले अफगानिस्तान की सत्ता पर नियंत्रण कर लिया था। रविवार तड़के जलाल की बेटी हसीना जलाल ने ट्वीट कर अपने पिता को रिहा करने की गुहार लगाई। उन्होंने ट्वीट किया, मैं इस परेशान करने वाली खबर की पुष्टि कर रही हूं। मैंने अपने पिता फजीउल्ला जलाल को तत्काल रिहा करने की गुहार लगाई है।

ब्राजील में दर्दनाक हादसा, अचानक झील में चट्टान टूटकर गिरने से छह लोगों की मौत

ब्रासीलिया। ब्राजील की एक झील में शनिवार को चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं पर गिरने से कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। मिनस गेरैस राज्य दमकल विभाग के कमांडर एड्गार्ड एस्तेवो ने एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि इस हादसे में छह लोगों की मौत हो गई और कम से कम 20 अन्य लोगों के लापता होने की आशंका है। अधिकारियों ने बताया कि कम से कम 32 लोग घायल हुए हैं, जिनमें से अधिकतर लोगों को शनिवार शाम को अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई। घटना के वीडियो में दिख रहा है कि फर्नास लेक पर लोग नौका सवारी का आनंद ले रहे थे, तभी चट्टान का एक हिस्सा टूटकर नौकाओं के ऊपर गिर गया। एस्तेवो ने बताया कि यह हादसा साओ जोस डा बारा और कैपिटलियो कस्बों के बीच हुआ।

कोरोना का कहर जारी, ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में एक दिन में 30 हजार मामले 15 लोगों की मौत

सिडनी। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण के कारण 16 और लोगों की मौत हो गई, जो इस बीमारी के कारण राज्य में सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या है। ह्यन्यू साउथ वेल्स हेल्थह्व ने यह जानकारी दी। उसने बताया कि ऑस्ट्रेलिया के सबसे अधिक आबादी वाले राज्य में संक्रमण के 30,000 से अधिक नए मामले सामने आए हैं। राज्य में इससे पहले संक्रमण के कारण सर्वाधिक दैनिक मृतक संख्या 15 थी। राज्य में पिछले साल 29 सितंबर और एक अक्टूबर को एक दिन में 15 लोगों की मौत इस वायरस के कारण हुई थी। ह्यन्यू साउथ वेल्स हेल्थह्व ने बताया कि राज्य में 1,927 लोग अस्पतालों में भर्ती हैं, जिनमें से 151 लोग गहन चिकित्सा इकाई में हैं। इसके अलावा दो लाख से अधिक लोग घर में पृथक-वास में रह रहे हैं। इसके अलावा, विक्टोरिया में रविवार को 44,155 नए मामले पाए गए। स्वास्थ्य प्राधिकारियों द्वारा की गई जांच में पता चला है कि नए मामलों में से 80 प्रतिशत मामले ओमीक्रोन स्वरूप से संक्रमण के हैं। विक्टोरिया में रविवार को संक्रमण से आठ लोगों की मौत हुई।

अमेरिका में हुई भारतीय सिख के साथ बदसलूकी को लेकर अमेरिकी विदेश विभाग का आया ये रिएक्शन

न्यूयॉर्क। अमेरिकी विदेश विभाग ने कहा है कि जॉन एफ कैनेडी (जेएफके) अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारतीय मूल के एक सिख कैब चालक पर हमले की खबरों से विभाग 'अत्यंत परेशान' है। विदेश विभाग ने किसी भी तरह की घृणा आधारित हिंसा की निंदा करते हुए कहा कि घृणा अपराध करने वाले लोगों को उनके कृत्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए, चाहे ऐसे अपराध कहीं भी हुए हों। सोशल मीडिया पर जारी एक वीडियो में यहां जेएफके अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक पर एक अज्ञात व्यक्ति हमला करते दिख रहा है। हमलावर ने टैक्सी चालक की पगड़ी उतार दी और उसके खिलाफ अपशब्दों का इस्तेमाल किया। बिना तारीख के 26 सेकंड के इस वीडियो को ट्विटर यूजर नवजोत पाल कौर ने चार जनवरी को माइक्रो-ब्लॉगिंग साइट पर अपलोड किया था। वीडियो में एक व्यक्ति हवाई अड्डे के बाहर सिख टैक्सी चालक के साथ मारपीट करता दिख रहा है। कौर ने कहा कि वीडियो को हवाई अड्डे पर मौजूद एक व्यक्ति ने शूट किया था। विदेश विभाग के दक्षिण और मध्य एशियाई मामलों के ब्यूरो (एससीए) ने शनिवार को एक ट्वीट में कहा, 'जेएफके हवाई अड्डा पर पिछले हफ्ते बनाए गए वीडियो में एक सिख कैब चालक पर हमले की खबरों से अत्यंत दुखी हैं। हमारी विविधता अमेरिका को मजबूत बनाती है और हम किसी भी प्रकार की घृणा-आधारित हिंसा की निंदा करते हैं। हम सभी की जिम्मेदारी है कि घृणा अपराधों के दोषियों को उनके कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराया जाए, चाहे ऐसे अपराध कहीं भी हों।' विदेश विभाग की यह प्रतिक्रिया न्यूयॉर्क में भारतीय महावाणिज्य दूतावास द्वारा सिख टैक्सी चालक पर हमले को 'बेहद परेशान करने वाला' करार दिए जाने के बाद आई है। भारतीय महावाणिज्य दूतावास ने कहा है कि उसने इस मामले को अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष उठाया है और उनसे हिंसक घटना की जांच करने का आग्रह किया है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने शनिवार को ट्वीट किया, 'न्यूयॉर्क में एक सिख टैक्सी चालक के खिलाफ हमला बहुत परेशान करने वाला है। हमने अमेरिकी अधिकारियों के समक्ष इस मामले को उठाया है और उनसे इस हिंसक घटना की जांच करने का आग्रह किया है।'

लेबनान की राजधानी बेरुत में कोविड-19 टीकाकरण का विरोध करते हुए लोग।

पाकिस्तान के बलूचिस्तान में छह आतंकी ढेर

क्वेटा। बलूचिस्तान को आतंक का अड्डा बनने से रोकने के लिए पाकिस्तान की इमरान सरकार कई कदम उठा रही है। चरमपंथियों और अलगाववादियों के खिलाफ पाक सरकार कई सालों से वहां अभियान चला रही है। रिपोर्ट के अनुसार, प्रांतीय राजधानी क्वेटा के पूर्वी बाईपास क्षेत्र के काउंटर-टेररिज्म डिपार्टमेंट (सीटीडी) के एक ऑपरेशन में पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में कम से कम छह कथित आतंकवादी मार दिए हैं। एक प्रतिबंधित संगठन के छह कथित आतंकवादी एक छापेमारी के दौरान सुरक्षा बलों द्वारा ढेर किए गए हैं।

सुरक्षा बलों को आतंकी ठिकाने से हथियार और विस्फोटक सामग्री भी बरामद हुई है। बयान में कहा गया है कि कथित आतंकवादियों में से एक के सिर पर 20 लाख रुपये का इनाम था।इसके पहले शनिवार को पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पुलिस के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए थे। सीटीपी अधिकारियों ने कहा कि उसने शनिवार तड़के एक खुफिया सूचना पर अभियान चलाया। ऑपरेशन के दौरान, आतंकवादियों ने सीटीडी कर्मियों पर गोलियां चलाईं, जिसका जोरदार जवाब दिया गया।

बलूचिस्तान में पिछले वर्ष भी 16 आतंकियों को सुरक्षा बलों ने अभियान चलाकर मार गिराया था। उस अभियान में दो सैनिक भी मारे गए थे। यह कार्रवाई प्रतिबंधित अलगाववादी संगठनों पर की गई थी। यह अभियान बलूचिस्तान प्रांत के मस्तुंग इलाके में चलाया गया था। इस घटना के दौरान आतंकवादियों ने पुलिस पर गोली चलाई थी जिसके बाद जवाबी कार्रवाई की गई थी। मुठभेड़ के बाद नौ क्लाशनिकोव राइफलें, विस्फोटक और रॉकेट से दागे जाने वाले ग्रेनेड बरामद किए गए थे।

फ्रांसीसी द्वीप बनेगा दुनिया का डिजिटल अड्डा

पेरिस (एजेंसी)

हिंद महासागर में फ्रांस सरकार के अधीन रीयूनियन द्वीप को दुनिया का एक बड़ा डिजिटल केंद्र बनाने की तैयारी में है।ये दुनिया का छठा डिजिटल सेंटर होगा। डिजिटल कंपनियों के समूह का दावा है कि स्थानीय बेरोजगारी कम होगी। फ्रांस का रियूनियन द्वीप, हिंद महासागर में अपने स्वर्गिक तटों और हरे-भरे लैंडस्केपों के लिए विख्यात है।द्वीप का करीब 42 फीसदी हिस्सा यूनेस्को के विश्व विरासत स्थलों में शामिल है। लेकिन ये द्वीप जल्द ही किसी और चीज के लिए प्रसिद्धि हासिल कर लेगा। डिजिटल कंपनियों के अंतरराष्ट्रीय समूह की योजना इस द्वीप को दुनिया का एक बड़ा डिजिटल केंद्र बनाने की है। पहला चरण 2021 के वसंत में पूरा हुआ था। इसके तहत द्वीप को एक सुपर-फास्ट इंटरनेट केबल के जरिए मेडागास्कर, मॉरीशस और साउथ अफ्रीका से जोड़ा गया था। 24 टेराबाइट क्षमता वाली ये केबल, रियूनियन द्वीप में मौजूदा इंटरनेट

कनेक्शनों से 24 गुना ज्यादा तेज है। रियूनियन स्थित समूह ओसइंडे के सीईओ नासिर गाउलामाले ने बताया कि ‌रियूनियन द्वीप का इंटरनेट, देश का दूसरा सबसे तेज रफ्तार वाला इंटरनेट है, करीब-करीब राजधानी पेरिस जितना द्रुत है।फ्रांस के अपने व्यापारिक सहयोगियों केनाल प्लस और एसएफआर, मॉरीशस के अपने सहयोगियों सीईबी फाइबरनेट और एमटेल और मेडागास्कर की टेल्मा कंपनी के साथ मिलकर मेटिस्स नाम के नये केबल में पांच करोड़ यूरो (57 मिलियन डॉलर) का निवेश किया है। इन कंपनियों का ये समूह, रियूनियन द्वीप से भारत को जोड़ने के लिए एक-दूसरे केबल पर 12 करोड़ खर्च करने की योजना बना रहा है।इसके अलावा, द्वीप में बहुत सारे विशाल डाटा सेंटर बनाए जाएंगे।हम कंपनियों को एक अरब यूरो तक का खर्च करने के लिए तैयार कर रहे हैं और बहुत सारे इच्छुक निवेशकों से हमारी बातचीत चल रही है।हिंद महासागर के बीचो बीच यूरोप की मौजूदगी गाउलामाले का कहना है कि अपने डाटा हब यानी डाटा केंद्र के रूप में रियूनियन द्वीप को चुनने के लिए इंटरनेट कंपनियों को ज्यादा दिमाग खपाने की जरूरत नहीं है। दुनिया में इनदिनों पांच बड़े डाटा केंद्र हैं, दो अमेरिका में, दो एशिया में और एक फ्रांसीसी शहर मारसे में स्थित है। लेकिन हिंद महासागर में एक खालीपन है, और रियूनियन द्वीप उस मुकम्मल तौर पर भर सकता है।आखिरकार ये द्वीप है यूरोप का हिस्सा ही।उनके मुताबिक 'इसका मतलब ये है कि कंपनियां डाटा सुरक्षा के मुद्दे पर यूरोपीय पैमानों पर भरोसा कर सकती हैं। इसके अलावा उन्हें बड़ा ही काबिल स्टाफ मिलेगा और बेहतरीन स्वास्थ्य देखरेख मिलेगी।

चीन ने तोड़ दी बुद्ध की विशाल मूर्ति, मुंह खोलने पर तिब्बती भिक्षुओं को जबरन पीटा

बीजिंग (एजेंसी)

चीनी तानाशाही फिर दुनिया के सामने उजागर हो गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि सिचुआन प्रक्षेत्र में चीनी प्रशासन ने कई तिब्बती भिक्षुओं को गिरफ्तार कर उनकी पिटाई कर दी है। दरअसल हाल ही में चीन ने भगवान बुद्ध की विशाल प्रतिमा को तोड़ दिया है। चीनी अधिकारियों को शक था कि उसकी इस करतूत के बारे में तिब्बती भिक्षुओं ने बाहरी लोगों को बताया है। जिसके बाद इसी संदेह में आकर उसने तिब्बती भिक्षुओं के साथ यह बर्बरता की है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि देश के लुओ काउंटी (ड्रैगो) में 99 फुट लंबे बुद्ध की मूर्ति को नष्ट कर दिया गया है। तिब्बती सूत्रों के हवाले से रिपोर्ट में बताया है कि चीनी अधिकारियों ने दिसंबर के महीने में इस मूर्ति को यह कहते हुए नष्ट कर दिया कि यह काफी ज्यादा लंबा है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि स्थानीय तिब्बती भिक्षुओं को जबरन इस कार्रवाई को दिखाया गया। दरअसल चीन तिब्बत के राष्ट्रीय संस्कृति को जड़ से उखाड़ फेंकना चाहता है, और इसी अभियान के तहत ऐसा किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक ड्रागो के गाडेन नम्गयाल मठ से अब तक 11 भिक्षुओं को गिरफ्तार कर लिया गया है। इन सभी पर आरोप है कि इन्होंने प्रतिमा को नष्ट करने का वीडियो और फोटो प्रक्षेत्र के बाहर शेयर किया है। कहा जा रहा है कि मठ से अबोट पेल्गा, उनके सायक नियामा और भिक्षु ताशी डोर्जे को हिरासत में लिया गया है। चीनी यह बात भी निकलकर सामने आई है कि इनकी बेरहमी से पिटाई की गई है और जेल में इन्हें खाना तक नहीं दिया गया।

ओमिक्रोन के बाद आया डेल्टाक्रोन वैरिएंट, संक्रमण का पहला मामला

निकोसिया। (एजेंसी)

कोरोना के एक के बाद एक सामने आ रहे नए वैरिएंट ने पूरी दुनिया की नींद उड़ा दी है। दूसरी लहर में भारत और दुनिया को बुरी तरह प्रभावित करने वाले डेल्टा वैरिएंट से उबरने के बाद इनदिनों ओमिक्रोन वैरिएंट का खतरा मंडराया हुआ है,लेकिन अब एक और वैरिएंट सामने आया है, जिसे 'डेल्टाक्रोन' कहा जा रहा है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि साइप्रस में एक नया कोरोना वैरिएंट डेल्टाक्रोन उभरा है।एक रिपोर्ट में कहा गया है कि डेल्टाक्रोन का जेनेटिक बैकग्राउंड डेल्टा वैरिएंट के समान है, साथ ही इसमें ओमिक्रोन जैसे कुछ म्यूटेशन भी हैं,इसकारण इस डेल्टाक्रोन कहा गया है।हालांकि, विशेषज्ञों का कहना है कि यह चिंता की बात नहीं है। कुल मिलाकर साइप्रस में लिए गए 25 नमूनों में ओमिक्रोन के 10 म्यूटेशन पाए गए। 11 नमूने उन लोगों के थे, जो वायरस के कारण अस्पताल में भर्ती थे, जबकि 14 सामान्य आबादी से आए थे। साइप्रस विश्वविद्यालय में जैव प्रौद्योगिकी और आणविक वायरोलॉजी की प्रयोगशाला के प्रमुख डा लियोनडिओस कोस्त्रिकिस ने कहा कि अस्पताल में भर्ती रोगियों के बीच म्यूटेशन की तीवता अधिक थी। यह नए वैरिएंट और अस्पताल में भर्ती होने के बीच संबंध की इशारा करता है।

कोस्त्रिकिस ने इसपर जोर दिया कि वैरिएंट का डेल्टा वैरिएंट के समान जेनेटिक बैकग्राउंड है। साथ ही ओमिक्रोन से कुछ म्यूटेशन भी हैं। साइप्रस के स्वास्थ्य मंत्री मिखलिस हाडजीपांडेलस ने कहा कि नया वैरिएंट फिलहाल चिंता की बात नहीं है। मंत्री ने नए वैरिएंट की खोज पर भी गर्व व्यक्त किया। डा.कोस्त्रिकिस की टीम के अभूतपूर्व शोध और निष्कर्ष हमें अपने वैज्ञानिकों पर गर्व कराते हैं। जेरूसलम पोस्ट के अनुसार, मंत्री ने यह भी कहा कि यह शोध स्वास्थ्य के मामलों में हमारे देश साइप्रस को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रखता है। वैसे अब तक नए वैरिएंट के वैज्ञानिक नाम की घोषणा नहीं की गई है।

अमेरिका ने यूक्रेन को लेकर रूस को दी चेतावनी

वाशिंगटन (एजेंसी)

अमेरिका में जो बाइडन प्रशासन ने रूस को नयी जोरदार चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर रूस, यूक्रेन पर हमला करने की दिशा में आगे बढ़ता है तो उस पर प्रतिबंध लगाए जाएंगे। अमेरिकी अधिकारियों ने यूरोप में अमेरिका की भविष्य की रणनीति की स्थिति के बारे में निर्णयों में लगातार बदलाव की संभावना जताई है। लेकिन उन्होंने यह भी कहा कि अगर रूस यूक्रेन में हस्तक्षेप करता है तो उसे प्रतिबंधों का सामना करना पड़ेगा।

अधिकारियों ने कहा कि प्रशासन यूक्रेन में भविष्य में मिसाइलों की संभावित तैनाती को कम करने और पूर्वी यूरोप में अमेरिका और नाटो के सैन्य अभ्यासों को सीमित करने पर रूस के साथ चर्चा के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि रूस को यूक्रेन में हस्तक्षेप करने पर आर्थिक प्रतिबंधों का सामना करना होगा।

इनमें रूसी संस्थाओं पर प्रत्यक्ष प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका से रूस को निर्यात किए जाने वाले उत्पादों और विदेश निर्मित उत्पादों पर महत्वपूर्ण प्रतिबंध शामिल हो सकते हैं जो संभावित रूप से अमेरिकी क्षेत्राधिकार में आते हैं। यह टिप्पणी ऐसे समय में आई है जब यूक्रेन को लेकर बढ़ते तनाव के बीच सोमवार को स्विट्जरलैंड में वरिष्ठ अमेरिकी और रूसी अधिकारियों की बैठक होनी है। अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका उन वाताओं में अपने यूरोपीय सुरक्षा रुख के कुछ सीमित पहलुओं पर चर्चा करने को तैयार है।

उन्होंने कहा कि इस बात की कोई संभावना नहीं है कि रूस की मांग के अनुरूप अमेरिका पूर्वी यूरोप में अपनी सैन्य उपस्थिति या हथियारों को कम करेगा। ऊर्जा और उपभोक्ता वस्तुओं पर प्रतिबंधों के अलावा अमेरिका और उसके सहयोगी अमेरिकी उपकरणों का उपयोग करने वाले उन्नत इलेक्ट्रॉनिक पुरजों, सॉफ्टवेयर और संबंधित प्रौद्योगिकी के रूस को निर्यात पर प्रतिबंध लगाने पर विचार कर रहे हैं। अधिकारियों ने कहा कि निर्यात नियंत्रण उद्देश्यों के लिए रूस को क्यूबा, ईरान, उत्तर कोरिया और सीरिया के साथ प्रतिबंधात्मक समूह में शामिल किया जा सकता है।

इसका मतलब यह होगा कि इस क्षेत्र में अमेरिका का सॉफ्टवेयर, प्रौद्योगिकी और उपकरणों में वैश्विक प्रभुत्व होने के कारण, एकीकृत सर्किट और एकीकृत सर्किट वाले उत्पादों को प्राप्त करने की रूस की क्षमता गंभीर रूप से प्रभावित होगी, जिसका असर एयरक्राफ्ट एवियोनिक्स, मशीन टूल्स, स्मार्टफोन, गेम कंसोल, टैबलेट और टीवी तक हो सकता है। इस तरह के प्रतिबंध महत्वपूर्ण रूसी उद्योग को भी लक्षित कर सकते हैं, जिसमें इसके रक्षा और नागरिक उड्डयन क्षेत्र शामिल हैं, जो रूस की कृत्रिम बुद्धि या क्वांटम कंप्यूटिंग में उच्च-तकनीकी महत्वाकांक्षाओं को प्रभावित करेगा। जिनेवा में अमेरिका और रूस के बीच सोमवार को होने वाली सामरिक और सुरक्षा वार्ता से पहले एक अधिकारी ने शनिवार को कहा, 'हमें लगता है कि हम कम से कम रूसियों के साथ प्रगति की संभावना तलाश सकते हैं।' सोमवार की बैठक के बाद बुधवार को रूस और नाटो के सदस्यों के बीच और बृहस्पतिवार को यूरोपीय लोगों के साथ चर्चा होगी।

पाकिस्तान के मरी में भीषण बर्फबारी की वजह से जान गंवाने वालों की संख्या 23 हुई

जोहानिसबर्ग। (एजेंसी)

लाहौर। पाकिस्तान के प्रसिद्ध पहाड़ी पर्यटन स्थल मरी में भीषण बर्फबारी के कारण जान गंवाने वाले लोगों की संख्या रविवार को 23 पहुंच गई। एक बच्ची की गंभीर जुकाम और निमोनिया की वजह से मौत हो गई। उसे वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचाया जा सका। पंजाब प्रांत के रावलपिंडी के मरी शहर में बड़ी संख्या में सैलानी पहुंचे थे और इस बीच भीषण बर्फबारी हो गई जिससे गाड़ियां फंस गईं और प्रशासन बेबस हो गया। इस घटना में 10 बच्चों समेत 23 लोगों की मौत हो गई। सूत्रों ने बताया कि चार वर्षीय बच्ची की मौत झीका गली में हुई। उसे गंभीर जुकाम और निमोनिया हो गया था। उन्होंने बताया कि उसे वक्त पर अस्पताल नहीं पहुंचा जा सका जिससे उसकी मौत हो गयी।

बचाव अधिकारियों ने जियो न्यूज को बताया कि अब तक कम से कम 23 लोगों की मौत हो गई है वहीं गाड़ियां कई फुट जमी बर्फ में फंसी हुई हैं। गृह मंत्री शेख रशीद अहमद ने एक बयान में मृतकों की संख्या की पुष्टि की। मंत्री ने कहा कि हालात को सिर्फ प्राकृतिक आपदा कहा जा सकता है और इस क्षेत्र में अत्यधिक बर्फबारी हुई है। उन्होंने कहा कि बर्फबारी के कारण कारें मरी नहीं जा सकीं तो लोगों ने पैदल ही चलना शुरू कर दिया और वे बर्फ के कारण चल नहीं सकें। मंत्री के मुताबिक मौतों का कारण 'दम घुटना' है। राजनीतिक संचार पर प्रधानमंत्री के सहयोगी शाहबाज गिल ने कहा कि जब भारी बर्फबारी होने लगी तो लोगों ने अपनी कारों को सड़कों पर ही छोड़ दिया और होटलों में शरण लेने के लिए चल दिए जिससे यातायात जाम हो गया।

उन्होंने कहा, 'प्रशासन गाड़ियों को सड़कों से हटाने की कोशिश कर रहा है ताकि रास्ता साफ किया जा सके।' संघीय सूचना और प्रसारण मंत्री फवाद चौधरी ने कहा कि अप्रत्याशित बर्फबारी और रिकॉर्ड संख्या में सैलानियों के पहुंचने से स्थानीय प्रशासन के लिए स्थिति को संभालना नामुमकिन हो गया। उन्होंने कहा कि प्रभावित क्षेत्रों से लोगों को निकालने की प्रक्रिया चल रही है और पूरे देश ने बेशकीमती इंसानी जान के नुकसान पर दुख जताया है। पंजाब पुलिस ने रविवार को कहा कि आपदा प्रभावित मरी में पिछले 24 घंटों में 500 से ज्यादा परिवारों को बचाया गया और सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया। पंजाब पुलिस के प्रवक्ता ने बताया, 'रात होने से पहले सभी सैलानियों को बचा लिया गया और सुरक्षित जगहों पर ले जाया गया।' 'द एक्सप्रेस ट्रिब्यून' ने खबर दी है कि पंजाब के मुख्यमंत्री सरदार उस्मान बुजदार रविवार को बर्फबारी से प्रभावित इलाकों का दौरा करेंगे। बुजदर ने कहा, 'मरी में हुई दुखद घटना से हर पाकिस्तानी दुखी है। पंजाब सरकार की मृतकों के परिवारों के साथ पूरी सहानुभूति है।' मौसम विभाग ने पांच जनवरी को अलर्ट जारी किया था कि भारी बर्फबारी के कारण छह से नौ जनवरी की दोपहर तक मरी, गलियत, नथियागली, कगन, नारन और अन्य इलाकों में सड़कें बंद हो सकती है।

'डॉन' अखबार के मुताबिक, इसके बावजूद संबंधित विभागों ने कोई कदम नहीं उठाए। मरी में पांच जनवरी (बुधवार) को 6.5 इंच बर्फबारी हुई। इसके बाद अगले दिन 8.5 इंच जबकि सात जनवरी (शुक्रवार) की सुबह से शनिवार सुबह तक 16.5 इंच बर्फबारी हुई। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि मरी में सामान्य तौर पर इतनी बर्फबारी होती है। प्रधानमंत्री इमरान खान ने शनिवार को कहा कि मरी जाने वाले रास्ते पर पर्यटकों की मौत की घटना से वह स्तब्ध और दुखी हैं। खान ने ट्वीट किया, 'जबरदस्त बर्फबारी और मौसम की स्थिति जाने बिना भारी संख्या में पर्यटकों के आने से जिला प्रशासन तैयारी नहीं कर सका। जांच के आदेश दिए गए हैं और इस तरह की त्रासदी दोबारा न हो, इसके लिए कड़े नियम बनाये जा रहे हैं।' पंजाब सरकार ने भारी हिमपात के बाद शनिवार को मरी को आपदा प्रभावित क्षेत्र घोषित कर दिया। विपक्षी राजनीतिक नेताओं ने सैलानियों

की आमद से निपटने और अपर्याप्त तैयारी को लेकर सरकार की आलोचना की है। कौमी (राष्ट्रीय) असेंबली में विपक्ष के नेता और पीएमएल-एन के अध्यक्ष शहबाज शरीफ ने कहा कि वह मरी में हुई त्रासदी से दुखी हैं और उन्होंने सवाल किया कि मौतों के लिए कौन जिम्मेदार है? पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की बेटी और पीएमएल-एन की उपाध्यक्ष मरियम नवाज ने आरोप लगाया कि सरकार की लापरवाही की वजह से बर्फबारी में ये मौतें हुई हैं।

शिकायकर्ताओं को प्राथमिकी दर्ज करने से लेकर गिरफ्तारियों की ऑनलाइन जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी: दिल्ली पुलिस

एजेंसी ■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के निर्देशों के बाद शिकायतकर्ताओं को जांच के विभिन्न चरणों से अवगत कराने के लिए नई ऑनलाइन प्रणाली शुरू की गई है।

राष्ट्रीय राजधानी में दिल्ली पुलिस में आपराधिक शिकायत दर्ज कराने वाले लोगों को अब न केवल प्राथमिकी दर्ज होने की सूचना दी जाएगी, बल्कि एसएमएस और ई-मेल के जरिए आरोपियों की गिरफ्तारी और आरोपपत्र दाखिल किए जाने अथवा क्लोजर रिपोर्ट की भी सूचना उपलब्ध कराई जाएगी। दिल्ली पुलिस ने रविवार को एक बयान में कहा कि शिकायतकर्ताओं को उनके मामलों की जांच के बारे में दिल्ली पुलिस की उन्नत ऑनलाइन सेवा वितरण प्रणाली द्वारा जानकारी उपलब्ध कराई जाएगी, ताकि वे जांच से संतुष्ट हो सकें।

बयान में कहा गया है कि दिल्ली पुलिस आयुक्त राकेश अस्थाना के निर्देशों के बाद शिकायतकर्ताओं को जांच के विभिन्न चरणों से अवगत कराने के लिए नई ऑनलाइन प्रणाली शुरू की गई है। इसमें कहा गया है, शिकायतकर्ता की संतुष्टि के लिए अपने नागरिक सेवा वितरण को और सशक्त बनाने के वास्ते, दिल्ली पुलिस ने अपनी ऑनलाइन नागरिक सेवाओं को अद्यतन किया है और शिकायतकर्ताओं को उनके मामलों की जांच पर स्वतः जानकारी उपलब्ध कराना शुरू कर दिया है। इसमें कहा गया है, जब कई आरोपी होंगे, तो हर एक की गिरफ्तारी के मामले में सूचना भेजी जाएगी। बयान में कहा गया है, ऑनलाइन सेवा के उन्नयन के बाद से, शिकायतकर्ताओं को प्राथमिकी दर्ज करने और गिरफ्तारी के संबंध में क्रमशः 4,654 और 4,807 संदेश भेजे गए हैं।

जेलों में डिस्पेंसरी को कोविड देखभाल केंद्र में तब्दील किया

एजेंसी ■ नई दिल्ली

कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के बीच दिल्ली की तीन जेलों में बनी डिस्पेंसरी को कोविड देखभाल केंद्र में तब्दील किया गया है। साथ ही तिहाड़ जेल में स्थित अस्पताल में स्थापित नई ऑक्सीजन इकाई को चार दिनों में चालू कर दिया जाएगा। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि तिहाड़, मंडोली और रोहिणी जेल परिसरों में वायरस के प्रसार की रोकथाम के मद्देनजर कोविड-19 के हल्के लक्षण वाले बंदियों के लिए कई मेडिकल पृथक-वास बैरक बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि ऐसे मरीजों को उसी जेल परिसर में पृथक-वास में रखा जाएगा, जिनके नमूने में संक्रमण की पुष्टि हुई है लेकिन उनमें बीमारी के लक्षण नहीं हैं। अधिकारियों के मुताबिक, तिहाड़ के 120 बिस्तर वाले अस्पताल और मंडोली के 48 बिस्तर वाले अस्पताल को कोविड देखभाल केंद्र में तब्दील किया गया है, जहां 24 घंटे डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। साथ ही 50 ऑक्सीजन सांद्रक, 100 से अधिक ऑक्सीजन सिलेंडर और उपचार के लिए आवश्यक दवाएं उपलब्ध रहेंगी।

एक वरिष्ठ जेल अधिकारी ने कहा, अगर किसी संक्रमित बंदी की तबीयत ज्यादा बिगड़ती है तो उसे तत्काल गुरु तेग बहादुर अस्पताल, लोक नायक जयप्रकाश नारायण अस्पताल या दीन दयाल उपाध्याय अस्पताल ले जाया जाएगा।

उन्होंने कहा कि नई स्थापित ऑक्सीजन इकाई को चार दिन के भीतर चालू कर दिया जाएगा। निदेशक (दिल्ली कारागार) संदीप गोयल ने कहा, हम कोविड के हालात से निपटने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। महामारी की पहली और दूसरी लहर के दौरान भी हमने विभिन्न उपाय किए थे, जिसके चलते हम संक्रमण दर को कम रखने में सफल हो सके थे। हम महामारी के वर्तमान हालात से भी पूरे विश्वास के साथ निपटेंगे।

दिल्ली में कोविड से 17 रोगियों की मौत, संक्रमण के 22,751 नए मामले सामने आए

नई दिल्ली। दिल्ली में कोविड-19 से 17 और लोगों की मौत हो गई वहीं संक्रमण के 22,751 नए मामले सामने आए जबकि संक्रमण दर 23.53 प्रतिशत रही। स्वास्थ्य विभाग द्वारा रविवार को जारी आंकड़ों में यह जानकारी दी गई है। रविवार को, पिछले साल एक मई के बाद से किसी एक दिन में संक्रमण के सबसे अधिक मामले सामने आए हैं। एक मई को संक्रमण के 25,219 मामले सामने आए थे और संक्रमण दर 31.61 प्रतिशत रही थी। सरकारी आंकड़ों के अनुसार कोविड के।,618 रोगी अस्पताल में भर्ती हैं। उनमें से 44 वेंटिलेटर पर हैं। दिल्ली में उपचाराधीन रोगियों की संख्या 60,733 है, जिनमें से 35,714 गृह पृथकवास में हैं। पिछले दिन 79,954 आरटी-पीसीआर समेत कुल 96,678 जांच की गईं।

समलैंगिक समुदाय के प्रति संवेदनशीलता के लिए प्रकोष्ठ का गठन किया

नई दिल्ली। दिल्ली के कालिंदी कॉलेज ने विद्यार्थियों को समलैंगिक समुदाय के प्रति संवेदनशीलता के लिए प्रकोष्ठ का गठन किया है। कालिंदी कॉलेज यह कदम उठाने वाला दिल्ली विश्वविद्यालय का पहला कॉलेज बन गया है।

कॉलेज की प्रिंसिपल नैना हसीजा ने कहा कि इस तरह के प्रकोष्ठ के गठन का विचार संकाय सदस्य प्रोफेसर अनीता टैगोर का था।

उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, शुरू में मेरे मन में इसे लेकर संशय था।

लेकिन, हमने सोचा कि समाज धीरे-धीरे उन्हें स्वीकार कर रहा है और हमें अपने छात्रों को समुदाय के बारे में शिक्षित करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि प्रकोष्ठ के लिए 300 से अधिक छात्रों ने पंजीकरण कराया है और कई शिक्षक भी इसमें शामिल हुए हैं।

अदालतों में बार और बेंच के बीच सौहार्द्रपूर्ण संबंध जरूरी : कोर्ट

एजेंसी ■ नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने कहा कि अदालतों में न्याय प्रशासन को सुचारू तरीके से चलाने के लिए बार (वकील) और बेंच (पीठ) के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध जरूरी है। न्यायमूर्ति एम आर शाह और न्यायमूर्ति बी वी नागरत्ना की पीठ ने यह टिप्पणी एक वकील द्वारा दायर याचिका का निस्तारण करते हुए की, जिसने उत्तराखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। अधिवक्ता के व्यवहार पर संज्ञान लेते हुए उच्च न्यायालय ने उसके खिलाफ कार्वाई करने के लिए मामले को बार काउंसिल को भेजा था। उच्च न्यायालय के इस फैसले के खिलाफ अधिवक्ता ने शीर्ष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। इसपर सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा, अदालत में न्याय प्रशासन के सुचारु तरीके से चलने के लिए बार और बेंच के बीच सौहार्दपूर्ण संबंध अनिवार्य है। किसी भी अधिवक्ता को अदालत में अभद्र व्यवहार का लाभ नहीं मिलना चाहिए। उच्चतम न्यायालय ने कहा, इससे अंततः अदालत कक्ष का माहौल खराब होता है और अंततः यह वादी के मामले को खराब कर सकता है और वादी बिना गलती के नतीजा भुगत सकता है। उत्तराखंड उच्च न्यायालय में वकालत कर रहे वकील ने अपने कृत्य के लिए उच्च न्यायालय के सामने बिना शर्त माफी मांगी, जिसके कारण वह आदेश पारित किया गया। याचिकाकर्ता ने बिना शर्त माफी मांगी और शीर्ष अदालत के समक्ष हलफनामा दिया कि भविष्य में उसकी ओर से ऐसा व्यवहार दोबारा नहीं होगा। इसके बाद शीर्ष अदालत ने वकील से कहा कि वह उच्च न्यायालय के न्यायाधीश के सामने बिना शर्त माफी मांगे और उच्च न्यायालय से उसकी माफी पर विचार करने का अनुरोध किया। शीर्ष अदालत ने कहा, हमें यह जानकर खुशी है कि एकल न्यायाधीश ने दया दिखाई और याचिकाकर्ता की तरफ से बिना शर्त मांगी गई माफी को स्वीकार कर लिया है।

दिल्ली देहात में गेंहू और सरसों की फ़सलों को हुए नुकसान का जायज़ा लेने पहुंचे पालम 360 के प्रधान चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी

दिल्ली। भारी ठंड के मौसम में लगातार हो रही बारिश से दिल्ली देहात के गाँवों में गेहूं और सरसों की फसलों को हुए भारी नुकसान का जायजा लेने के लिए आज पालम-360 के प्रधान चौधरी सुरेंद्र सोलंकी कई गांवों के दौरे पर रहे। इस दौरान उन्होंने ढासा गांव, इस्सापुर, सारंगपुर, मित्राऊ, सुरेहडा, बाकरगड और मुंडेला सहित दिल्ली देहात के कई गाँवों में जाकर किसानों से मुलाकात की और उनकी गेहूं व सरसों की खराब फैसलों का जायजा लिया। इस हालात के मद्देनजर उन्होंने दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल से दिल्ली देहात के किसानों को तुरंत मुआवजा दिए जाने की मांग की है।

इस बारे में मीडिया से बात करते हुए चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी ने कहा कि पिछले सीज़न में भी लगातार बारिश होती रही जिससे हमारी खरीफ की फसलों को बहुत नुकसान पहुँचा। पूरे खेत के खेत पानी में डूब गए, जिससे सारी फ़सल नष्ट हो गयी। अब फिर से भारी ठंड के मौसम में लगातार बारिश हो रही। इस बेमौसम की बारिश से रबी की फसलों खासकर सरसों और गेहूं की फसल को बहुत नुकसान पहुंचा है। उनका कहना है कि सरसों की 80त फसल नष्ट हो चुकी है और अगर ऐसे ही 2-3 दिन खेतों में पानी लगा रहा तो गेहूं की फसल भी बर्बाद हो जाएगी।

चौ0 सुरेन्द्र सोलंकी ने बताता कि हमने दिल्ली के मुख्यमंत्री से पत्र लिखकर मांग की है कि दिल्ली देहात के किसानों को हुए भारी नुकसान को ध्यान में रखते हुए दिल्ली सरकार की ओर से तुरंत मुआवजे का एलान किया जाए। इससे पहले भी दिल्ली के सरकार की ओर से जो मुआवजे का ऐलान किया गया उसकी राशि किसानों को अब तक नहीं मिल गया। अतः हम मुख्यमंत्री जी से मांग करते हैं कि जल्द से जल्द किसानों को बकाया मुआवजा राशि दी जाए। किसानों की पूंजी बहुत सीमित होती है और इस तरह से अगर एक के बाद एक उनकी फसल बर्बाद होती रहेगी तो किसान कर्ज में डूब जाएंगे। इसलिए सरकार इस पर तुरंत कदम उठाए। इस दौरान चौधरी सुरेन्द्र सोलंकी के साथ करतार सिंह, नारायण सिंह प्रधान ,सुखबीर डागर, अमर सिंह चेयरमैन, धर्मपाल और ताज सिंह सहित कई गणमान्य लोग मौजूद रहे।

पुलिस ने तीन बच्चियों को उनके परिवार से मिलाया

■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने तीन बच्चियों को यहां बापा नगर में रहने वाले उनके परिवार से मिलवाया है। वे अपने एक रिश्तेदार के यहां से घर लौटते समय गुम हो गई थीं। सबसे बड़ी बहन की उम्र महज़ 11 साल है। अधिकारियों ने रविवार को बताया कि ए बहनें बृहस्पतिवार दोपहर करीब तीन बजे वज़ीराबाद में मिली थीं और उनके घर का पता लगाने में पुलिस को सिर्फ तीन घंटे लगे। पुलिस ने उनके घर का पता लगाने के लिए गूगल की तस्वीरों की भी मदद ली। पुलिस ने बताया कि बच्चियों के बारे में उन्हें सूचना मिलने पर हेड कांस्टेबल शिवराज और कांस्टेबल विकास और तनू की टीम सहायक उपनिरीक्षक विनोद वालिया के नेतृत्व में उनसे मिली। उन्होंने बताया कि 11 वर्षीय बच्ची ने पुलिस को बताया कि उनका घर बापा नगर में है और घर के पास एक मंदिर है। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि टीम ने उन्हें बापा नगर इलाके में स्थित कुछ मंदिरों की तस्वीरें गूगल पर दिखाईं और बच्ची ने एक मंदिर को पहचान लिया। अधिकारी ने बताया, जब हम बापा नगर में एक सड़क से गुजर रहे थे तो बच्ची ने उस इलाके को पहचान लिया जहां वह रहती है। इसके बाद एक दुकानदार ने बच्चियों की पहचान की और उनका घर दिखाया। टीम को घर पर उनका 35 वर्षीय पिता वीरेंद्र गुप्ता, उनकी पत्नी और एक बेटा मिला। लापता बेटियों के बारे में पूछे जाने पर, गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उन्हें इसकी जानकारी थी लेकिन वह उन्हें ढूंढ नहीं सके क्योंकि उनकी हाल में सर्जरी हुई थी और वह बीमार हैं।

अधिकारी ने कहा, उस व्यक्ति ने अपने रिश्तेदारों के जरिए अपनी बेटियों को तलाश करने की कोशिश की। गुप्ता ने कहा कि वह बिहार से हैं और इलाके के साप्ताहिक बाजार में कपड़े बेचते हैं। उन्होंने कहा कि उनकी पत्नी, उनके गृहनगर में रहती थीं और मानसिक रूप से बीमार हैं और हाल में अपने चारों बच्चों के साथ दिल्ली आई हैं।

सुरक्षा *वीकेंड कर्फ्यू के दौरान रविवार को पुलिस का जवान बाहर घूम रहे लोगों की तलाशी लेते हुए।*

गंगा नदी को लोगों की आजीविका का साधन बनाने में जुटी सरकार

एजेंसी ■ नई दिल्ली

सरकार गंगा नदी को लोगों की आजीविका का साधन बनाने के लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) व भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों की मदद लेगी और उनके सुझावों के आधार पर कार्ययोजना तैयार की जाएगी। इस उद्देश्य के लिए दोनों संस्थानों का एक समूह (कंसोर्टियम) भी बनाया जाएगा। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन (एनएमसीजी) के महानिदेशक जी अशोक कुमार ने भाषा से कहा, हम नदियों को आर्थिक गतिविधियों से जोड़ने को लेकर अर्थ गंगा परियोजना पर अमल करने के लिए काम कर रहे है।

इसके तहत गंगा नदी को तटवर्ती क्षेत्रों के लोगों की आजीविका से जुड़ी गतिविधियों से जोड़ने का प्रस्ताव किया गया है। उन्होंने बताया, इस बारे में अर्थ गंगा परियोजना पर आईआईटी, आईआईएम जैसे देश के प्रतिष्ठित संस्थानों का एक कंसोर्टियम बनाया जाएगा। यह कंसोर्टियम गंगा सहित सहायक नदियों एवं उस पर आधारित आजीविका से जुड़े पहलुओं पर विचार विमर्श कर एक रिपोर्ट तैयार करेगा। कुमार ने कहा कि इस रिपोर्ट एवं सुझाव के आधार पर एक समग्र कार्ययोजना तैयार की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस विषय पर जल्द ही आईआईएम, लखनऊ में एक कार्यशाला का भी आयोजन किया जाएगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर 2019 में हुई राष्ट्रीय गंगा परिषद की बैठक में अर्थ गंगा का सुझाव दिया था। इसके तहत देश भर में गंगा की सहायक नदियों के पारिस्थितिकी तंत्र को सशक्त बनाने के साथ ही गंगा नदी के किनारे बसे करीब 4500 गांवों की आर्थिक स्थिति को संवारने के लिए कदम उठाने का प्रस्ताव किया गया था। एनएमसीजी के महानिदेशक ने बताया कि गंगा नदी के किनारे आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के कार्यक्रम में कृषि, वानिकी, मत्स्य पालन, पर्यटन, नौकायन, राफ्टिंग, अंतर नदी परिवहन, संग्रहालय विकास, डॉलफिल सफारी जैसे कार्यक्रमों पर अमल किया जाएगा।

गर्भवती महिलाओं, दिव्यांग कर्मचारियों को कार्यालय जाने से छूट : केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह

एजेंसी ■ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने रविवार को कहा कि कोरोना वायरस के बढ़ते मामलों को देखते हुए गर्भवती महिलाओं और केंद्र सरकार के दिव्यांग कर्मचारियों को कार्यालय जाने से छूट दी गई है। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों को उपलब्ध रहना होगा और घर से काम करना होगा। कार्मिक राज्यमंत्री सिंह ने कहा कि कोविड निरूद्ध क्षेत्र में रहने वाले अधिकारियों और कर्मचारियों को भी तब तक कार्यालय जाने से छूट दी गई है जब तक कि निरूद्ध क्षेत्र को गैर अधिसूचित नहीं किया जाता है।

उन्होंने कहा कि अवर सचिव स्तर से नीचे के सरकारी कर्मचारियों की कार्यालय में उपस्थिति वास्तविक क्षमता के 50 फीसदी तक सीमित कर दी गई है और शेष 50 फीसदी घर से काम करेंगे। यह जानकारी कार्मिक मंत्रालय द्वारा रविवार को जारी बयान में दी गई।

सिंह ने कहा कि सभी संबंधित विभागों द्वारा इसी मुताबिक रोस्टर तैयार किया जाएगा। बहरहाल, उन्होंने कहा कि जो अधिकारी और कर्मचारी कार्यालय नहीं आ रहे हैं और घर से काम कर रहे हैं, वे हर समय टेलीफोन और संचार के अन्य इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों के जरिए उपलब्ध रहेंगे।

दिल्ली में शनिवार को कोविड-19 के कारण सात लोगों की मौत हो गई और संक्रमण के 20,181 मामले सामने आए। साथ ही संक्रमण दर बढ़कर 19.60 फीसदी हो गई। रविवार को स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा जारी आंकड़े के अनुसार देश भर में एक दिन में संक्रमण के।,59,632 मामले आए हैं और 327 लोगों की मृत्यु हुई है।

सिंह ने कहा कि कोरोना वायरस के तेजी से प्रसार को देखते हुए कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने आदेश जारी किया है कि जहां तक संभव हो, आधिकारिक बैठक वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से किए जाएं।

आईपी यूनिवर्सिटी में मनाया गया प्रकाश पर्व

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

आईपी यूनिवर्सिटी में गुरु गोबिंद सिंह के 356 वे प्रकाश पर्व को धूमधाम से ऑनलाइन मनाया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के कुलपति डॉक्टर महेश वर्मा ने गुरु गोबिंद सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि जिस तरह उन्होंने अन्याय और अधर्म के खिलाफ लड़ाई लड़ी, हमें भी इससे प्रेरणा लेकर जीवन में आगे बढ़ना चाहिए। यूनिवर्सिटी के रजिस्ट्रार शैलेंद्र सिंह परिहार ने इस अवसर पर कहा कि उनका संपूर्ण जीवन और संघर्ष हर पीढ़ी के लिए प्रेरणा स्रोत है। इस अवसर पर उनके जीवन और संघर्ष पर प्रो. एच. एस. बेदी का व्याख्यान भी आयोजित किया गया। आर्मी बैंड की धुन पर भाई चरनजीत सिंह हीरा ने शब्द कीर्तन प्रस्तुत किया। यूनिवर्सिटी के सभी वरिष्ठ संकाय सदस्य और अधिकारी ने इस कार्यक्रम में ऑनलाइन भागीदारी की।

कार्रवाई *ओंकारेश्वर ठाकुर के पिता ने दावा किया कि उनके बेटे को इस मामले में फंसाया जा रहा है।*

सुल्ली डील्स ऐप बनाने का आरोपी इंदौर से गिरफ्तार

■ नई दिल्ली

दिल्ली पुलिस ने सुल्ली डील्स ऐप बनाने के आरोप में एक व्यक्ति को मध्य प्रदेश के इंदौर से गिरफ्तार किया है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि यह सुल्ली डील्स ऐप मामले में पहली गिरफ्तारी है। सैकड़ों मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को बिना उनकी मंजूरी के इस मोबाइल ऐप्लीकेशन (ऐप) पर नीलामी के लिए डाला गया था। उन्होंने बताया कि आरोपी ओंकारेश्वर ठाकुर (26) ने इंदौर स्थित आईपीएस अकादमी से बीसीए किया है और वह न्यूयॉर्क सिटी टाउनशिप का निवासी है। दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) के पी एस मल्होत्रा ने बताया कि शुरुआती पूछताछ में आरोपी ने स्वीकार किया है कि वह ट्विटर पर उस समूह का सदस्य है, जिसमें मुस्लिम महिलाओं को बदनाम करने और ट्रोल के लिए विचारों को साझा किया जाता है। अधिकारी ने बताया, उसने गिटहब पर कोड विकसित किया। गिटहब तक समूह के सभी सदस्यों की पहुंच थी। उसने अपने ट्विटर अकाउंट पर ऐप को साझा किया था। मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरों को समूह के सदस्यों ने अपलोड किया था। जांच में खुलासा हुआ है कि आरोपी एट द रेट गैंगेसियन हैंडल का उपयोग करके जनवरी 2020 में ट्रेडमहासभा के नाम से ट्विटर पर समूह में शामिल हुआ था। पुलिस ने बताया कि समूह पर विभिन्न प्रकार की चर्चाओं के दौरान सदस्यों ने मुस्लिम महिलाओं को ट्रोल करने को लेकर चर्चा की। डीसीपी ने कहा, उसने (आरोपी ने) स्वीकार किया कि उसने गिटहब पर कोडाऐप बनाया। सुल्ली डील्स ऐप को लेकर हुए हंगामे के बाद उसने सोशल मीडिया से इससे जुड़ी सभी सामग्री हटा दी थी।

दिल्ली पुलिस ने बताया कि ऐप से जुड़े कोडातस्वीरों का पता लगाने के लिए तकनीकी उपकरणों की जांच की जा रही है। दिल्ली पुलिस के साइबर प्रकोष्ठ को अज्ञात लोगों द्वारा एक ऐप पर मुस्लिम महिलाओं की तस्वीरें अपलोड किए जाने की शिकायत मिली थी, जिसके बाद उसने इस संबंध में मामला दर्ज किया था। दिल्ली पुलिस के जनसंपर्क अधिकारी चिन्मय बिस्वाल ने पहले कहा था, नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर सुल्ली डील्स मोबाइल ऐप्लिकेशन के संबंध में प्राप्त एक शिकायत पर कार्वाई करते हुए भारतीय दंड संहिता की धारा 354-ए के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच शुरू की गई है। इस बीच, इंदौर पुलिस ने रविवार को कहा कि दिल्ली पुलिस ने सुल्ली डील्स ऐप बनाने के आरोप में ओंकारेश्वर ठाकुर को गिरफ्तार किए जाने की कोई जानकारी उसके साथ साझा नहीं है। इंदौर के पुलिस आयुक्त हरिनारायणचारी मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया, सुल्ली डील्स मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा इंदौर से ओंकारेश्वर ठाकुर नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी के बारे में हमें मीडिया से ही पता चला है। इस बारे में दिल्ली पुलिस ने अब तक हमसे कोई आधिकारिक सूचना साझा नहीं की है। उन्होंने कहा कि सुल्ली डील्स मामले में दिल्ली पुलिस द्वारा आधिकारिक सूचना साझा किए जाने के बाद इंदौर पुलिस अपने स्तर पर भी इस प्रकरण की पड़ताल पर विचार करेगी। इस बीच, ओंकारेश्वर ठाकुर के पिता ने दावा किया कि उनके बेटे को इस मामले में फंसाया जा रहा है। ठाकुर की गिरफ्तारी के बाद उसके पिता अखिलेश ठाकुर ने इंदौर में संवाददाताओं से कहा, मुझे पता चला है कि केवल एक व्यक्ति के बयान के आधार पर मेरे आईटी विशेषज्ञ बेटे को गिरफ्तार कर दिल्ली ले जाया गया है।

दिल्ली में और बारिश की संभावना

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रात भर हुई बारिश के कारण रविवार को न्यूनतम तापमान सामान्य से सात डिग्री अधिक 13.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। भारत मौसम विभाग (आईएमडी) ने यह जानकारी दी। मौसम विभाग ने कहा कि दिल्ली में पिछले 24 घंटों के दौरान सुबह साढ़े आठ बजे तक 8 मिमी बारिश हुई, जबकि सापेक्षिक आर्द्रता 100 प्रतिशत थी। मौसम विज्ञानियों ने आमतौर पर बादल छाए रहने के साथ हल्की बारिश की संभावना जताई है, जबकि अधिकतम तापमान 18 डिग्री सेल्सियस के आसपास रहने का अनुमान है। दिल्ली में शनिवार को बीते 22 वर्षों में जनवरी के महीने में एक दिन में सबसे अधिक बारिश दर्ज की गई, जिससे शहर की वायु गुणवत्ता दो महीने में सबसे अच्छी रही, जबकि न्यूनतम तापमान सामान्य से आठ डिग्री अधिक 15 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक 75 दर्ज किया है ।

संपादकीय

चुनाव आयोग की कवायद

राज्यों के विधानसभा चुनाव कोरोना विषाणु के नये स्वरूप ओमीक्रोन के खतरों के बीच होने जा रहे हैं। इसके मद्देनजर बृहस्पतिवार को चुनाव आयोग ने पहले स्वास्थ्य मंत्रालय के अधिकारियों के साथ बैठक की। बैठक के दौरान कोरोना विषाणु के संक्रमण, फैलने की तीव्रता दर, रोकथाम के उपायों और टीकाकरण को लेकर पारस्परिक विमर्श हुआ। इसके बाद चुनाव आयोग ने गृह मंत्रालय के अधिकारियों के साथ भी विचार-विमर्श किया। अब देखना है कि चुनाव आयोग की इस कवायद का क्या परिणाम सामने आएगा। ऐसा माना जा रहा है कि चुनाव आयोग उन सभी उपायों पर विचार कर रहा है जिससे चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक कोरोना के प्रसार को रोका जाए। इस बीच अच्छी खबर यह है कि कांग्रेस के बाद भाजपा और सपा ने भी उत्तर प्रदेश में अपने-अपने चुनावी रैलियों को रद्द करने का फैसला किया है। चुनावी रैलियों को लेकर सभी राजनीतिक दलों की आलोचना हो रही थी। पिछले एक सप्ताह से देश में कोरोना का संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। बृहस्पतिवार को देश में कोरोना से संक्रमित मरीजों का आंकड़ा एक लाख को पार कर गई। महामारी विशेषज्ञों का अनुमान है कि यह आंकड़ा अभी और बढ़ेगा। दिल्ली के स्वास्थ्य मंत्री ने तो तीसरी लहर की घोषणा कर दी है, लेकिन यह विश्व मानवता के लिए सौभाग्य की बात है कि कोरोना विषाणु का नया स्वरूप ओमीक्रोन ड़ेल्टा के मुकाबले कम घातक है। यही कारण है कि ड़ब्ल्यूएचओ इसे सुनामी की संज्ञा दे रहा है। अमेरिका में पिछले दिन एक दिन में 10 लाख से ज्यादा नये मामले आए थे। यूरोपीय देशों में भी रोजाना एक से दो लाख नये मामले आ रहे हैं, लेकिन संतोष की बात यह है कि कोरोना विषाणु के प्रकटीकरण के पिछले दो वर्षों के दौरान दुनिया के लोग इस वायरस से परिचित हो गए हैं। और हमारे देश में भी कोरोना के विरुद्ध दर्जनों वैक्सीन उपलब्ध हैं तथा अस्पतालों और बिस्तरों की संख्या में बढ़ोतरी के संबंध में एक व्यापक आधारभूत ढांचा मौजूद है। इसके बावजूद आयोग विभिन्न दलों के साथ बैठक करे और कोरोना के नियमों का पालन कराने के लिए एक साझा कार्यक्रम बनाए। ऐसा इसलिए कि देश में कहीं-न-कहीं कोई-न-कोई चुनाव होते रहते हैं और कोरोना भी अभी हाल-फिलहाल जाने वाला नहीं है।

केंद्र बनाम राज्य

पंजाब के फिरोजपुर में एक रैली को संबोधित करने जा रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा व्यवस्था में बुधवार को जिस तरह की गंभीर चूक सामने आई, वह किसी को भी हैरत में डाल सकती है। बठिंडा से सड़क मार्ग से फिरोजपुर जाते हुए एक फ्लाइओवर पर प्रधानमंत्री के काफिले को रुक जाना पड़ा क्योंकि आगे प्रदर्शनकारी किसानों ने सड़क जाम कर रखी थी। बीस मिनट तक इंतजार करते रहने के बावजूद सड़क खाली नहीं करवाई जा सकी और प्रधानमंत्री को वहीं से लौट आना पड़ा। देश में आज तक किसी भी प्रधानमंत्री की किसी यात्रा के साथ इस तरह की गफलत नहीं देखी गई। यह सच है कि खराब मौसम के कारण प्रधानमंत्री को हेलिकॉप्टर से जाने का इरादा छोड़ना पड़ा और आखिरी पलों में बठिंडा से फिरोजपुर तक की करीब 110 किलोमीटर की दूरी सड़क मार्ग से तय करने का फैसला किया गया। लेकिन प्रधानमंत्री के हर दौरे की तैयारी काफी पहले से शुरू हो जाती है और कई वैकल्पिक मार्गों पर विचार उस तैयारी का हिस्सा होता है। इसलिए रूट का अचानक बदला जाना इस चूक का कोई स्पष्टीकरण नहीं हो सकता। यह हर हाल में अक्षम्य है।

मगर इस चूक से ज्यादा अफसोसजनक और दुर्भाग्यपूर्ण है इससे निपटने का अंदाज। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने अपने बयान में इसे प्रधानमंत्री की हत्या करने की कांग्रेस की खूनी साजिश करार दिया। खुद प्रधानमंत्री को यह कहते बताया गया कि अपने मुख्यमंत्री को धन्यवाद कहिएगा, मैं जिंदा वापस जा रहा हूं। अभी तक सरकार की तरफ से इस बयान का कोई खंडन नहीं आया है। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान प्रधानमंत्री की सुरक्षा के लिए महामृत्युंजय जाप करवाने में लग गए। यानी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सुरक्षा के सवाल को एक राजनीतिक मुद्दा बनाकर हर तरफ से पंजाब की कांग्रेस सरकार को घेरने की कवायद शुरू हो गई। दूसरी तरफ पंजाब के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी ने पहले बयान में ही कह दिया कि प्रधानमंत्री की सुरक्षा में कोई चूक नहीं हुई है। कांग्रेस कह रही है कि प्रधानमंत्री की प्रस्तावित फिरोजपुर रैली में सारी कुर्सियां खाली पड़ी हुई थीं, लोग आए ही नहीं थे। इसलिए सुरक्षा का बहाना बनाकर प्रधानमंत्री ने रैली में जाना टाल दिया और उस बात की ओर से ध्यान हटाने के लिए सुरक्षा चूक को लेकर हंगामा खड़ा किया जा रहा है।

जाहिर है, दोनों पक्षों के इस तरह का रुख अपना लेने के बाद अब जांच-पड़ताल से भी किसी सर्वमान्य निष्कर्ष की उम्मीद नहीं की जा सकती। प्रधानमंत्री की सुरक्षा केंद्रीय और राज्यों की एजेंसियों के बीच पूर्ण तालमेल के साथ सुनिश्चित की जाती रही है। इसे केंद्र बनाम राज्य विवाद का रूप देकर कुछ हासिल नहीं होगा। देश अपना एक प्रधानमंत्री और एक पूर्व-प्रधानमंत्री गंवा चुका है। ऐसे में प्रधानमंत्री की सुरक्षा को लेकर इस तरह की राजनीति देखना वाकई त्रासद है।

विदेशी मीडिया

विदेशी फंडिंग पर विवाद

पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) की जांच समिति ने पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) को मिले विदेशी धन पर अपनी जांच रिपोर्ट जारी कर दी है। इस रिपोर्ट ने कई गंभीर सवाल खड़े किए हैं, जिनका जवाब सरकार को देना ही पड़ेगा। चुनाव आयोग ने नौ महीनों के अंतराल के बाद मंगलवार को इस मामले की सुनवाई शुरू की और इसमें खुलासा हुआ कि पीटीआई ने न सिर्फ विदेशी नागरिकों और कंपनियों से धन प्राप्त किए, बल्कि प्राप्त धनराशि को कम करके दिखाया व बैंक खातों की जानकारी भी छिपाई। खबरों के मुताबिक, पार्टी ने वित्तीय वर्ष 2009-10 से 2012-13 के बीच प्राप्त धन को कम करके बताया। रिपोर्ट में यह भी दावा किया गया है कि पार्टी ने बड़े लेन-देन का विवरण देने से इनकार कर दिया और विदेशी खातों व वहां से हासिल पैसों के मालूमात के लिए जांच दल को काफी मशक्कत करनी पड़ी।

सत्तारूढ़ पार्टी ने जिस तरह से इस पूरे मसले को निपटाया है, उससे संदेह गहराता है। खासकर तब, जब ऑडिटरों को रिपोर्टों के अध्ययन के लिए एक सीमित अवधि दी गई और उन्हें उनकी प्रतिलिपि भी नहीं लेने दी गई। पीटीआई ने हमेशा यह दावा किया है कि यह पूरा मामला बेबुनियाद है और सियासी विरोधियों द्वारा इसे सनसनीखेज रूप दिया जा रहा है, लेकिन सवाल उठता है कि पार्टी ने चुनाव आयोग से जांच समिति की रपट को गोपनीय रखने का अनुरोध क्यों किया?

14 नवंबर, 2014 से आज तक कैसे यह मामला लंबित है? पिछले सात वर्षों से भी अधिक समय में 150 से भी अधिक बार इसकी सुनवाई हो चुकी है और पीटीआई ने 54 मौकों पर स्थगन की मांग की है। अब समय आ गया है कि सरकार पूरी पारदर्शिता के साथ इस मसले को इसके अंजाम तक ले जाए। यह अच्छी बात है कि प्रधानमंत्री इमरान खान ने पार्टी की फंडिंग की जांच का स्वागत किया है। बहरहाल, सरकार को इस मामले में अन्य राजनीतिक दलों पर उंगली उठाने के खेल से परहेज करना चाहिए। पीटीआई इस पूरे मामले से कैसे निपटती है, वह पार्टी के वैचारिक आधार के लिए अग्नि-परीक्षा की तरह है।

हिंदी देश की भाषा है, हर भारतवासी की अभिलाषा है

प्रशान्त त्रिपाठी
(अधिवक्ता-दिल्ली)

अंतरराष्ट्रीय हिन्दी दिवस हमारी राष्ट्रीय भाषा हिंदी को सम्मान देने का एक शानदार तरीका है। नई पीढ़ी पश्चिमी संस्कृति और अंग्रेजी भाषा से अधिक प्रभावित है और उनका आँख बंद करके पालन कर रही है। यह दिन उनकी संस्कृति की याद दिलाने का एक अच्छा तरीका है जो उनके चरित्र-निर्माण के लिए महत्वपूर्ण है। यूं तो हर तारीख का कोई न कोई इतिहास होता है, लेकिन 10 जनवरी का इतिहास कई मायने में, विशेषतौर पर हिन्दी प्रेमी लोगों के लिए काफी महत्वपूर्ण है, क्योंकि इस दिन विश्व हिन्दी दिवस होता है। पूर्व प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह ने हिन्दी के प्रचार-प्रसार के लिए 2006 में प्रति वर्ष 10 जनवरी को हिन्दी दिवस मनाने की घोषणा की थी। विश्व में हिन्दी का विकास करने और एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के तौर पर इसे प्रचारित-प्रसारित करने के उद्देश्य से विश्व हिन्दी सम्मेलनों की शुरुआत की गई और प्रथम विश्व हिन्दी सम्मेलन 10जनवरी 1975 को नागपुर में आयोजित हुआ था। इसीलिए इस दिन को विश्व हिन्दी दिवस के रूप में मनाया जाता है।जहाँ अंग्रेजी एक विश्वव्यापी भाषा है और इसके महत्व को अनदेखा नहीं किया जा सकता है वहीं हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि हम पहले भारतीय हैं और हमें हमारी राष्ट्रीय भाषा का सम्मान करना चाहिए। आधिकारिक भाषा के रूप में हिंदी को अपनाने से साबित होता है कि सत्ता में रहने वाले लोग अपनी जड़ों को पहचानते हैं और चाहते हैं कि लोगों द्वारा हिंदी को भी महत्व दिया जाए।

दुर्भाग्य से भले ही हिंदी दुनिया की चौथी व्यापक बोली जाने वाली भाषा है परन्तु इसके मूल देश में लोग इसको महत्व नहीं देते हैं। स्कूल से लेकर कॉलेज, कॉर्पोरेट, कार्यालयों तक अंग्रेजी को अधिक प्राथमिकता दी जाती है और हिंदी अंग्रेजी से पिछड़ जाती है। माता-पिता, शिक्षकों और हर किसी को लिखित और मौखिक रूप से अंग्रेजी सीखने के महत्व पर जोर देना आम बात है क्योंकि इससे नौकरी हासिल करने में काफी मदद मिलती है। यह देखना दुखदाई है कि नौकरियों और शैक्षिक पाठ्यक्रमों के लिए भी लोगों को स्मार्ट होना पड़ता है क्योंकि नौकरी पर रखने वाले अधिकारी उन्हें उनके अंग्रेजी से संबंधित ज्ञान के आधार पर चुनते हैं। बहुत से लोग सिर्फ इसलिए काम करने का अवसर खो देते हैं क्योंकि वे अंग्रेजी को धाराप्रवाह नहीं बोल पाते भले ही वे काम के बारे में अच्छी जानकारी रखते हों।हिंदी दिवस ऐसे लोगों को जगाने का प्रयास है और उनमें हिंदी भाषा के लिए सम्मान स्थापित करने का प्रयास है।

हिंदी की प्रतिष्ठा और महत्व से संबंधित विशेष घटनाएं

कई स्कूल और अन्य संस्थान हर साल हिंदी दिवस मनाते हैं। यहां इस दिन के सम्मान में विशेष समारोहों का आयोजन किया गया है-

- भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी ने हिंदी से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिए विभिन्न श्रेणियों में पुरस्कार प्रदान किए। हिंदी दिवस के सम्मान में विज्ञान भवन नई दिल्ली में एक समारोह आयोजित किया गया था।
- इस दिवस पर विभागों, मंत्रालयों, राष्ट्रीयकृत बैंकों और सार्वजनिक उपक्रमों को राजभाषा पुरस्कार भी प्रदान किए जाते हैं।
- केंद्र में सत्ताधारी भारतीय जनता पार्टी की वजह से हिंदी भाषा और हिंदी दिवसों को महत्व और मान्यता देने की दिशा में बढ़ोतरी हुई है।
- भोपाल में आयोजित एक विश्व हिंदी सम्मेलन में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि अंग्रेजी, हिंदी और चीनी डिजिटल दुनिया पर शासन करने जा रहे हैं ताकि भाषा के महत्व पर जोर दिया जा सके।
- केंद्रीय गृह मंत्री राजनाथ सिंह ने भी संयुक्त राष्ट्र में हिंदी के लिए आधिकारिक भाषा का दर्जा लेने का मुद्दा उठाया था।

हिंदी भाषा के बारे में दिलचस्प तथ्य

हिंदी भाषा के बारे में कई दिलचस्प तथ्य हैं जिनमें से कुछ इस प्रकार हैं:

- हिंदी नाम फारसी शब्द हिंद से बना है जिसका मतलब है कि सिंधु नदी का भूमि।
- हिंदी मूलतः भाषाओं के इंडो-यूरोपियन परिवार के इंडो-आर्यन भाषाओं के सदस्यों में से एक है।

- हिंदी में कई शब्द संस्कृत से प्रेरणा लेते हैं।हिंदी को पूरी तरह ध्वन्यात्मक लिपि में लिखा गया है। इस भाषा के शब्दों को उसी तरह स्पष्ट किया जाता है जिस तरह से वे लिखे गए हैं।
- दुनिया भर में ऐसे कई शब्दों का प्रयोग किया जाता है जो लगता है कि अंग्रेजी के शब्द हैं परन्तु वास्तव में ये शब्द हिंदी भाषा से हैं। इनमें से कुछ शब्द जंगल, लूट, बंगला, योग, कर्म, अवतार और गुरु हैं।
- हिंदी भाषा में सभी संज्ञाओं में लिंग हैं। ये या तो स्त्रीलिंग हैं या पुल्लिंग हैं। इस भाषा में विशेषण और क्रियाएँ लिंग के आधार पर भिन्न होती हैं।
- यह उन सात भाषाओं में से एक है जो वेब एड्रेस बनाने के लिए उपयोग की जाती हैं।
- दुनिया में हर ध्वनि हिंदी भाषा में लिखी जा सकती है।
- हिंदी भाषा का प्रयोग सिर्फ भारत में ही नहीं बल्कि दुनिया भर के अन्य देशों में भी किया जाता है जिनमें पाकिस्तान, फिजी, नेपाल, श्रीलंका, सिंगापुर, न्यूजीलैंड, यूनाइटेड अरब एमिरेट्स और ऑस्ट्रेलिया शामिल हैं।

आज दुनिया के 176 विश्वविद्यालयों में हिन्दी विषय के रूप में पढ़ाई जाती है। हिन्दी वहां अध्ययन, अध्यापन और अनुसंधान की भाषा भी बन चुकी है। अमेरिका के ही 30 से भी ज्यादा विश्वविद्यालयों में भाषायी पाठ्यक्रमों में हिन्दी को महत्वपूर्ण दर्जा मिला हुआ है। दक्षिण प्रशान्त महासागर के देश फिजी में तो हिन्दी को राजभाषा का आधिकारिक दर्जा मिला हुआ है। फिजी में इसे 'फिजियन हिन्दी' अथवा 'फिजियन हिन्दुस्तानी' भी कहा जाता है, जो अवधी, भोजपुरी और अन्य बोलियों का मिला-जुला रूप है। विश्व में लगभग 6900 मातृभाषा बोली जाती हैं, जिनमें से 35-40 फीसदी अपने अस्तित्व के संकट से गुजर रही हैं।

विश्वभर की भाषाओं का इतिहास रखने वाली संस्था 'एथ्नोलॉग' के अनुसार चीनी और अंग्रेजी भाषा के बाद हिन्दी दुनियाभर में सर्वाधिक बोली जाने वाली तीसरी भाषा है। पाकिस्तान, नेपाल, बांग्लादेश, सूरीनाम, त्रिनिदाद, मॉरीशस, युगांडा, गुयाना, अमेरिका, ब्रिटेन, जर्मनी, न्यूजीलैंड, यूएई, साउथ अफ्रीका में हिंदी बोलने वालों की संख्या बढ़ी है। अमेरिका के अलावा यूरोपीय देशों, एशियाई देशों और खाड़ी के देशों में भी हिन्दी का तेजी से विकास हो रहा है। रूस के कई विश्वविद्यालयों में हिन्दी साहित्य पर लगातार शोध हो रहे हैं। हिन्दी साहित्य का जितना अनुवाद रूस में हुआ है, उतना शायद ही दुनिया में किसी अन्य भाषा के ग्रंथों का हुआ हो। हिन्दी को विश्व आर्थिक मंच की गणना के अनुसार विश्व की 10 शक्तिशाली भाषाओं में से एक माना गया है। 'लैंग्वेज यूज इन यूनाइटेड स्टेट्स- 2011' रिपोर्ट में कहा गया है कि हिन्दी अमेरिका में बोली जाने वाली शीर्ष 10 भाषाओं में से एक है, जहां इसे बोलने वालों की संख्या साढ़े छह लाख से भी अधिक है। अमेरिकी कम्युनिटी सर्वे की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि अमेरिका में हिन्दी सौ फीसदी से अधिक तेज रफ्तार से आगे बढ़ रही है।

विश्वभर में हिन्दी की बढ़ती स्वीकार्यता का ही असर है कि वर्ष 2017 में ऑक्सफोर्ड डिक्शनरी में भी पहली बार 'अच्छा', 'बड़ा दिन', 'बच्चा' और 'सूर्य नमस्कार' जैसे हिन्दी शब्दों को सम्मिलित किया गया। अमेरिका की 'ग्लोबल लैंग्वेज मॉनीटर' संस्था ने अपनी रिपोर्ट में बताया था कि अंग्रेजी भाषा में करीब 10 लाख शब्द हैं, वहीं हिन्दी में करीब 1 लाख 20 हजार शब्दों का समृद्ध कोष है। हिन्दी शब्द कोष में लगातार वृद्धि हो रही है। तकनीकी रूप से हिन्दी को और ज्यादा उन्नत, समृद्ध तथा आसान बनाने के लिए अब कई सॉफ्टवेयर भी हिन्दी के लिए बन रहे हैं।

भारत में हर साल 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस मनाया जाता है। नागपुर में 10जनवरी 1975 को पहली बार विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया था। इसका उद्घाटन तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने किया था। सम्मेलन में 30 देशों के 122 प्रतिनिधि शामिल हुए थे। इसके बाद मॉरीशस, यूनाइटेड किंगडम, त्रिनिदाद, संयुक्त राज्य अमेरिका आदि में भी विश्व हिन्दी सम्मेलन का आयोजन किया गया। 10 जनवरी का दिन इसलिए तय किया गया क्योंकि पहली बार इसी दिन विश्व हिन्दी सम्मेलन आयोजित किया गया था।

विश्व हिन्दी दिवस सही मायने में हिन्दी की महानता के प्रचार-प्रसार का एक सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर जहां विदेश मंत्रालय की ओर से विदेशों में स्थित भारत दूतावासों में विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जाता है, वहीं प्रवासी भारतीय और भारतीय मूल के लोग भी अपने-अपने देशों में हिन्दी के सम्मान में तरह-तरह के कार्यक्रम आयोजित करते हैं। आज भले ही हमारे देश में ही कुछ लोग हिन्दी के उपयोग को लेकर कभी-कभार बेवजह का विवाद खड़ा कर अपनी राजनीति चमकाने का प्रयास करते दिखते हैं लेकिन हर भारतीय के लिए गर्व की बात यह है कि दुनियाभर में अब हिन्दी को चाहने वालों की संख्या लगातार बढ़ रही है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी स्वतंत्रता संग्राम के दौरान जनसम्पर्क के लिए हिन्दी को ही सबसे उपयोगी भाषा मानते थे। वर्ष 1917 का एक ऐसा किस्सा सामने आता है, जब कलकत्ता में कांग्रेस अधिवेशन के मौके पर बाल गंगाधर तिलक ने राष्ट्रभाषा प्रचार संबंधी कॉन्फ्रेंस में अंग्रेजी में भाषण दिया था और गांधी जी ने उनका वह भाषण सुनने के पश्चात् उन्हें हिन्दी का महत्व समझाते हुए कहा था कि वह ऐसा कोई कारण नहीं समझते कि हम अपने देशवासियों के साथ अपनी ही भाषा में बात न करें। गांधी जी ने कहा था कि अपने लोगों के दिलों तक हम वास्तव में अपनी ही भाषा के जरिये पहुंच सकते हैं।

हिन्दी ऐसी भाषा है, जो प्रत्येक भारतीय को वैश्विक स्तर पर सम्मान दिलाती है। दुनियाभर में आज 75 करोड़ से भी ज्यादा लोग हिन्दी बोलते हैं और जिस प्रकार वैश्विक परिदृश्य में हिन्दी की स्वीकार्यता निरन्तर बढ़ रही है, उसे देखते हुए यह कहना असंगत नहीं होगा कि अब वह दिन ज्यादा दूर नहीं, जब हमारी राजभाषा हिन्दी चीन की राजभाषा चीनी को पछाड़कर शीर्ष पर पहुंच जाएगी। विश्वभर में हमारी हिन्दी फिल्म इंडस्ट्री 'बॉलीवुड' का नाम है। हर साल करीब डेढ़ हजार फिल्में बनती हैं और ये फिल्में भारत के अलावा विदेशों में भी खूब पसंद की जाती हैं। यही कारण है कि बॉलीवुड सितारे अक्सर अपनी फिल्मों के प्रचार-प्रसार के लिए अब विदेशों में शो आयोजित करने लगे हैं। यूएई में हिन्दी एफएम चैनल वहां के लोगों की खास पसंद है। आज दुनिया का हर वह कोना, जहां भारतवंशी बसे हैं, वहां हिन्दी धूम मचा रही है।

एशियाई देशों में अपनी व्यापारिक गतिविधियों को बढ़ाने के लिए अब बहुराष्ट्रीय कम्पनियां भी हिन्दी के प्रचार-प्रसार पर खास ध्यान देने लगी हैं। हिन्दी की बढ़ती ताकत को महसूस करते हुए ही 'एमेजॉन', 'फ्लिपकार्ट', 'स्नैपडील', 'ओएलएक्स', 'क्विकर' आदि दुनिया की दिग्गज ई-कॉमर्स कम्पनियां हिन्दी जानने वाले ग्राहकों तक अपनी ज्यादा से ज्यादा पहुंच बनाने के लिए ही हिन्दी में अपने 'ऐप' लेकर आ चुकी हैं।

विश्व के लगभग 137 देशों में हिन्दी भाषी तथा हिन्दी प्रेमी हैं। मॉरीशस की संसद ने 12 नवम्बर 2002 को एक अधिनियम के द्वारा विश्व हिन्दी सचिवालय की स्थापना की। इसके उद्देश्यों में प्रमुख थे -

1. हिन्दी को विश्व भाषा के रूप में प्रोन्नत करना।
2. हिन्दी को संयुक्त राष्ट्र संघ की अधिकृत भाषा बनाने के लिए प्रयत्न करना।
3. हिन्दी में अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, संगोष्ठी, समूह विचार-विमर्श तथा चर्चा एवं कवि-सम्मेलन जैसे सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन करना।
4. हिन्दी के विद्वानों को सम्मानित/पुरस्कृत करना।
5. हिन्दी में शोधकार्य के लिए प्रलेखन केंद्र स्थापित करना।
6. अंतरराष्ट्रीय हिन्दी पुस्तकालय की स्थापना करना।
7. अंतरराष्ट्रीय हिन्दी पुस्तक मेले का आयोजन करना।

पीएम मोदी की सुरक्षा में चूक 'संवेदनशील मामला'

कलुवा
गाजीपुरी

हमारे माननीय यशस्वी प्रधानमंत्री जी दिन रात मेहनत करते हैं देश को संवारने के लिए। प्रधानमंत्री जी की सुरक्षा का मसला केवल एक व्यक्ति की सुरक्षा का मामला नहीं है बल्कि ये राष्ट्रीय सुरक्षा का मुद्दा है। हमारे विद्वान दूरदर्शी प्रधानमंत्री जी इस मुद्दे की गम्भीरता को अच्छी तरह से जानते थे और इसीलिए इस मुद्दे पर एक बार भी सार्वजनिक बयान नहीं दिए। एक बार फिर उन्होंने विरोधियों को बता दिया की ऐसे ही नहीं वो वैश्विक स्तर के ताकतवर नेता बने हैं।

प्रधानमंत्री जी हर पार्टी के लोगों का जीवन बेहतर बनाने के लिए निष्पक्ष रूप से काम करते हैं। प्रधानमंत्री जी की हर योजना का लाभ पूरे देश को मिलता है वो भी बिना किसी भेदभाव के। उनकी सुरक्षा का मामला बहुत ही संवेदनशील मामला है लेकिन राजनैतिक पार्टियों और मीडिया ने इसको तमाशा बना दिया। कहीं कोई मंदिर में पूजा पाठ मंत्र जाप करने लगा, कहीं कोई दरगाह पर चादर चढ़ाने लगा, कहीं लोग एक दूसरे को ज़िम्मेदार ठहराने लगे, आरोप प्रत्यारोप मढ़ने लगे, कहीं लोग तू तू मैं मैं करने लगे की इनकी गलती है उनकी गलती है। मुद्दे की गम्भीरता का उपहास उड़ाया जा रहा है। संवेदनहीनता की पराकाष्ठा है और प्रधानमंत्री जी की छवि के साथ साथ देश की छवि भी ख़राब की जा रही है।

प्रधानमंत्री जी की सुरक्षा का मसला राजनैतिक नहीं होता है। ये प्रशासनिक मसला है और प्रशासन को गुप्त रूम से इसकी जाँच करनी चाहिए थी। ये अदालत का मसला भी नहीं है। अगर ओसामा बिन लादेन को पकड़ने के लिए अमेरिका ढोल नगाड़े लेकर, घोषणा करके और अदालत से तारीख़ लेकर जाता पाकिस्तान तो ओसामा आज तक ज़िन्दा होता। इस तरह के मसले के राजनीतिकरण से जाँच एजेंसियाँ दिग्भ्रमित हो सकती हैं और असली अपराधी सबूत मिटा कर पकड़ से बाहर हो सकते हैं। देश को इंतज़ार रहेगा प्रधानमंत्री जी के सुरक्षा के साथ हुई साज़िश के पर्दाफ़ाश का।

त्योहारों पर पाबन्दी

कलुवा
गाजीपुरी

हिंदुस्तान के सबसे बड़े राज्य के साथ साथ कुछ अन्य राज्यों में लोकतन्त्र का उत्सव एक बार फिर आ गया।अब इसे उत्सव नहीं महोत्सव का दर्जा दे देना चाहिए। वैसे भी पिछले 2 सालों से महामारी ने होली, दशहरा,दिवाली,ईद, क्रिसमस तथा सभी त्योहारों पर पाबन्दी लगा रखा है। महामारी के अलावा महंगाई और बेरोज़गारी ने भी उत्सवों का रंग फीका कर दिया है ।

एक ही तो मौक़ा होता है जब जनता भगवान की तरह पूजनीय हो जाती है।भोग प्रसाद,वस्त्र आभूषण, प्रवचन,मधुर गीतों और भाँति भाँति के अन्य चढ़ावों के द्वारा सत्कार किया जाता है।बस यही एक उत्सव है जिसमें महामारी और महंगाई दोनो कोई बाधा नहीं डाल पाती है।कुछ लोग इस उत्सव के रंग में भी भंग डालने के चक्कर में पड़े हैं और उत्सव को कुछ दिनों के लिए रोकने की वकालत कर रहे हैं।

बतंगड़ बेतुक

तमाशबीन हैं, तमाशबीन ही रहेंगे

विभांशु दिव्याल

इस बार हमने झल्लन से पूछा, 'लखीमपुर खीरी में किसानों द्वारा की गयी हत्याओं पर तू क्या कहना चाह रहा था, क्या बहस उठाना चाह रहा था?'

झल्लन बोला, 'तो सुनिए ददाजू, आपने किसानों की हत्याओं को और किसानों द्वारा की गयी हत्याओं को घालमेल में घोल दिया, एक तरफ हत्या की क्रिया थी और दूसरी तरफ हत्या की प्रतिक्रिया, मगर आपने दोनों को एक तराजू पर तौल दिया। किसानों के सामने उनके साथियों पर गाड़ी चढ़ा दी गयी, उन्हें कुचलकर मार दिया, इसलिए स्वाभाविक गुस्से में खौलकर किसानों ने गैर-किसानों को पीट-पीटकर मौत के घाट उतार दिया। किसानों की जगह कोई और भी होता तो वो भी यही करता, मारने वालों को मारता उन पर रहम नहीं करता।'

हमने कहा, 'तेरी यह व्याख्या झल्लन हमें बहुत डरावनी लग रही है इसीलिए हमें बहुत खल रही है। गुस्से में भड़ककर कोई भी किसी पर अपना गुस्सा उतार डाले और पीट-पीटकर उसे मार डाले, अगर इसे जायज ठहरा दिया जाएगा तो कानून का न्याय जहन्नुम चला जाएगा। अगर तेरे हिसाब से किसानों ने जो किया वो क्षम्य है तो इस हिसाब से किसानों के साथ जो हुआ वह क्यों अक्षम्य है? जिस तरह से किसान गुस्से से पगला गये थे उसी तरह किसानों पर पहिया चढ़ाने वाले भी किसानों की बेजा हरकतों से बौखला गये थे और वे भी गुस्से से पगला गये थे। तेरे तर्क से अगर किसानों द्वारा की गयीं हत्याएं स्वाभाविक थीं तो किसानों की हत्याएं अस्वाभाविक क्यों थीं?'

झल्लन बोला, 'ददाजू, हमें अब भी लग रहा है कि आप चीजों को सही नहीं पढ़ रहे हो और द्वेष के कारण समानता का यह सिद्धांत गढ़ रहे हो।' हमने कहा, 'न हम कुछ नया पढ़ रहे हैं, न कोई नया सिद्धांत गढ़ रहे हैं, न गलत दिशा में बढ़ रहे हैं। हत्या के बदले उससे भी ज्यादा क्रूर और भयानक हत्या का सिद्धांत सही मान लिया जाएगा तो इंसानियत का जनाजा उठ जाएगा। यह सभ्य समाज की निशानी नहीं है कि वह एक हत्या पर तो रार मचाए, छाती कूट मातम मनाए और दूसरी हत्या पर नपुंसक चुप्पी मार जाये।' झल्लन बोला, 'ददाजू, मान लें आप सही कह रहे हैं, आपके तर्क सही दिशा में बह रहे हैं, तब भी हम और आप क्या कर सकते हैं, चुप्पी मारे हुए हैं क्योंकि सिर्फ चुप्पी ही मार सकते हैं।'

हमारा मन निरंतर अमानवीय, असभ्य और बर्बर होते जाते भारतीय परिदृश्य को लेकर बुरी तरह बेचैन हो रहा था, रो रहा था पर झल्लन भी सच बोल रहा था, जैसे हमारे रिसते घाव के टांके खोल रहा था। हमने कहा, 'झल्लन, हमारे जैसे लाखों करोड़ों लोग हैं जो अन्याय और बर्बरता का नंग-नृत्य खुली आंखों से देखे जा रहे हैं पर चाह कर भी कुछ कर नहीं पा रहे हैं।' झल्लन बोला, 'ददाजू, जो बड़े-बड़े ताकतवर अभिनायक, निर्णायक, शक्तिपति सत्ताधीश जो बहुत कुछ कर सकते हैं पर कुछ नहीं कर रहे हैं तो फिर हम और आप क्यों फालतू के खयालों में मर-खप रहे हैं। जिन्हें जो करना होगा वो करते रहेंगे, हम और आप तो सिर्फ तमाशबीन हैं, तमाशबीन ही बने रहेंगे।'

हमने कहा, 'झल्लन, सारे संकट की जड़ तो यह है कि ये शक्तिवान, संगठनवादी, गिरोहबंद, सत्ताकामी और सत्ताधीश ही देश को जहन्नुम की तरफ ले जा रहे हैं और तू सच कहता है कि हम कुछ नहीं कर पा रहे हैं।' झल्लन बोला, 'देखिए ददाजू, किसानों को जीतना था, उनकी जीत हो गयी, सरकार को हारना था उसकी मिट्टी पलीद हो गयी। अगर सरकार और सरकारपति को अपनी बात सही लग रही थी तो फिर उन्हें गलत मांग के आगे समर्पण नहीं करना चाहिए था, चुनावों की चिंता छोड़कर अपनी बात पर अड़ना चाहिए था और जब तक गलत मांग वाले झुक नहीं जाते तब तक तनना चाहिए था। हमें तो लगता है सरकार को भारी कीमत चुकानी पड़ेगी और आगे भी बार-बार अपनी गर्दन झुकानी पड़ेगी।'

हमने कहा, 'तू सही कह रहा है झल्लन, समर्पण ने सरकार और उसके नायक की साख बुरी तरह गिरा दी है, उनकी घड़ी की सुई पीछे फिरा दी है। भाई, अगर तुम मानते थे कि तुमने सही कदम उठाया है, आम किसानों के हित की बात को आगे बढ़ाया है तो तुम्हें चुनावों में हार-जीत की चिंता छोड़ देनी चाहिए थी और इस चिंता को छोड़कर अपनी साख में अपनी दृढ़ता जोड़ देनी चाहिए थी। सत्ता किसी की बपौती नहीं है, ज्यादा-से-ज्यादा यह होता कि तुम चुनाव हार जाते और अगर तुम्हें अपने ऊपर और जनता के ऊपर भरोसा होता तो अगला चुनाव जीतकर फिर सत्ता में आ जाते। बिना जनता की मोहर लगवाए आपने अपना कदम वापस ले लिया और भीड़ बल के हाथों में सरकार को तोड़ने का एक नया हथियार दे दिया। भविष्य में इसके परिणाम बहुत बुरे आएंगे और जिन्होंने बेजा हठ के सामने समर्पण किया है वे देश को डरावनी अराजकता की ओर ले जाएंगे।'

झल्लन बोला, 'सुनिए ददाजू, दो जहां जाएगा चला जाएगा, जो होना होगा हो जाएगा। हम फालतू की चिंता में क्यों मरें, चलिए अपना दिमाग ठंडा करें। आप यहीं बैठिए, हम कहीं से अद्धा जुगाड़ लाते हैं और दोनों यहीं बैठकर लगाते हैं।'

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक प्रवीण कुमार सिंह द्वारा आला प्रिंटिंग प्रेस 3636 कटारा दिना बेग लाल कुआं, दिल्ली.... से मुद्रित एवं, ब्लॉक नं. 23 मकान नं. 399 त्रिलोकपुरी दिल्ली....91 से प्रकाशित संपादक -प्रवीण कुमार सिंह टेलीफोन नं. 011.22786172 फैक्स नं. 011.22786172
RNI NO. DELHIN38334, E-mail:gauravashalibharat@gmail.com इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के पीआरबी एट के तहत

क्षेत्र में शांति व्यवस्था व आदर्श आचार सहिता का पालन कराया जाएगा सख्ती से

असमाजिक तत्व हो जाए सावधान कानून का उल्लंघन नही होगा बर्दास्त:आशीष कुमार तोमर

संवाददाता

स्योहारा। प्रदेश भर में चुनावी बिगुल बज चुका है तो साथ ही चुनाव निष्पक्ष कराने के मकसद से सूबे भर में आचार सहिंता भी लागू कर दी गयी है जिसके पालन के लिए क्षेत्र के सभी प्रशासनिक अधिकारियों को ज़िम्मेदारी सौंपी गई है,जिसके निर्वाह के लिए स्योहारा थाना अध्यक्ष आशीष कुमार तोमर ने कहा कि क्षेत्र में शांति व्यवस्था व आचार सहिंता का पालन सख्ती से कराया जाएगा, क्षेत्र में किसी भी प्रकार की हुड़दंग बाज़ी,शोर शराबा व असमाजिक तत्वो की सक्रियता बर्दाश्त नही की जाएगी,साथ ही अपराधियों व कानून तोड़ने वालों से सख्ती से पेश आया जाएगा।

आशीष तोमर ने सभी से अपील करते हुए कहा कि चुनावी मौसम में किसी भी नेता या पार्टी के लिए अपने निजी सम्बंध न खराब करें और न ही इस प्रकार की कोई चुनावी बहस करें जिससे आपसी माहौल खराब हो।

थानाध्यक्ष आशीष तोमर ने बताया कि हम व हमारी पूरी टीम क्षेत्र में पैनी नज़र रखे है असामाजिक तत्वो को चिन्हित कर मुचलके भर दिए गए हैं ,सभी लाइसेंस धारियों के शस्त्र थाने में जमा करा दिए गए हैं,साथ ही वो सभी तैयारियां पूरी हैं जिसके अंतर्गत चुनावी शांति क्षेत्र में बनी रहे।

एसपी यमुनापार, पैरामिलिट्री फोर्स ने मेजा में किया फ्लैग मार्च

संवाददाता

मेजा, प्रयागराज। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रयागराज अजय कुमार के निर्देशन में आगामी विधानसभा चुनाव- 2022 के दृष्टिगत एसपी यमुनापार द्वारा थाना मेजा के विभिन्न क्षेत्रों का आरएएफ के साथ एरिया डोमिनेशन व फुट पेट्रोलिंग की गयी एवं आम जनमानस को बिना डर और भय के अपना मतदान देने के लिए जागरूक किया गया। मेजा क्षेत्र के मेजारोड बाजार मे एसपी यमुनापार, सीओ और रैपिड एक्शन फोर्स ने फ्लैग मार्च किया। बता दें कि एसपी यमुनापार व सीओ मेजा ने क्षेत्र में शांति व्यवस्था, अपराध नियंत्रण रखने व कोरोना संक्रमण से बचाव को लेकर मेजारोड बाजार मे रैपिड एक्शन फोर्स व पुलिस बल के साथ फ्लैग मार्च निकाला।

सोमवार को दोपहर पुलिस अधीक्षक यमुनापार सौरभ दीक्षित के नेतृत्व मे मेजा क्षेत्र मे शांति व्यवस्था व अपराध पर नियंत्रण को लेकर मेजारोड बाजार, पटेल चौराहा, सिरसा रोड, कोरांव रोड सहित मुख्य मार्गों से होते हुए फ्लैग मार्च निकाला गया। इस दौरान फ्लैग मार्च को लेकर एसपी यमुनापार सौरभ दीक्षित ने कहा कि अराजक व शरारती तत्वों के मन में खौफ पैदा हो और संभ्रांत नागरिकों के मन में विश्वास और अच्छा व निर्भय वातावरण बने।

इस मौके पर सीओ मेजा अमिता सिंह, कोतवाल मेजा तुषारदत्त त्यागी, मेजारोड चौकी प्रभारी मनीष कुमार सिंह सहित भारी संख्या मे पुलिस बल मौजूद रहे।

पुलिस व नगरपालिका टीम ने नगर भर से उतारे होर्डिंग्स

संवाददाता

स्योहारा। सूबे में आचार सहिंता का एलान होते ही प्रशासन ने भी अपना काम शुरू कर दिया जिसके तहत शनिवार को ही पुलिस व नगरपालिका टीम ने नगर भर में लगे राजनीतिक दलों के होर्डिंग्स व प्रचार सामग्री उतारकर उनको जब्त कर लिया।

इस मौके पर थानाध्यक्ष आशीष तोमर,एसआई वसीम खान,हेड कांस्टेबल पुरषोत्तम यादव,का,ब्रजेश का.कपिल.का .शमीम खान आदि मौजूद रहे इसके अलावा नगरपालिका से ओमप्रकाश सिंह,देवेंद्र सिंह,मो,शान,हरिओम सिंह,अमित कुमार, आदि भी मौजूद रहे।

विधानसभा 17नजीबाबाद के प्रत्याशी व प्रभारी शाहनवाज खलील देव आचार संहिता का पालन करते हुए वोट मांगे

संवाददाता

नजीबाबाद के विधानसभा 17 के बसपा प्रत्याशी व प्रभारी शाहनवाज खलील ने आचार संहिता का पालन करते हुए क्षेत्र के कई गांव का दौरा किया। जैसे गजरौला करमस खेड़ी मीरापुर आदि इन सब गांव में शाहनवाज नेजनसंपर्क किया। और शाहनवाज खलील हरएक-एक घर पर जाकर वे दर दर पर जाकर माताओं बहनों से बुजुर्गों नौजवानों से जनसंपर्क किया और अपने लिए वोट मांगे। शाहनवाजके इस जनसंपर्क रविईयेको देखकर देखकर मां बहनों ने भी अपने घरों के दरवाजों पर आकर दुआएं दी बल्कि वोटदेने का भी वादा किया। इसी तरहा से घर के मर्दों दे भी शाहनवाज से हाथ मिलाया और वोट देने का विश्वास दिलाया दुआओं से भी नवाजा ।जब शाहनवाज खलील एक दरवाजे पर मां बहनों से अपने लिए वोटों कीअपील कर रह थे और उनसे पूछा गया क्या आपको क्षेत्र में सर्वसमाज के लोगों का सहयोग मिल रहा है। तो शाहनवाज ने जवाब दिया कि मुझे पूर्ण रुप से सर्व समाज के लोगों का सहयोग मिल रहा है और इंशाल्लाहजीत होगी। जब उनसे पूछा गया कि क्या कारण है की क्या आपको सर्व समाज के लोगों का सहयोग मिल रहा।

लगातार जारी है वैक्सीनेशन

स्कूली बच्चे भी ले रहे बढ़ चढ़ कर हिस्सा

संवाददाता

स्योहारा। कोरोना संक्रमण की रोकथाम के लिए जहां उत्तर प्रदेश और केंद्र सरकार लगातार कोविड-19 के लिए लोगों को जागरूक कर रही है वही जनपद स्तर पर भी जिलाधिकारी उमेश मिश्रा लगातार कोविड-19 के प्रति लोगों में जागरूकता कर रहे हैं यही वजह है कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भी लगातार इस में अपनी रुचि दिखाते हुए जागरूकता अभियान चला रहे हैं। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी डॉ विशाल दिवाकर द्वारा भी वैक्सीन 15 से 18 वर्ष तक के बच्चों को लगाने के लिए ब्लॉक स्तर पर जगह-जगह शिविर लगाकर वैक्सीनेशन कराने का कार्य किया है तो वहीं नगर केएमक्यू गर्ल्स इंटर कॉलेज में बारिश के बावजूद भी वैक्सीनेशन कार्यक्रम किया गया। जिसमें कॉलेज की सभी 15 से 18 वर्ष तक की छात्राओं के को वैक्सीन लगाई गई। कॉलेज की प्रधानाचार्य शबाना परवीन ने सभी अभिभावकों और नागरिकों से अपील करते हुए कहा जिस तरह से कोरोना संक्रमण की तीसरी लहर की आशंका बनी हुई है इसकी रोकथाम के लिए हम सभी को आगे आकर वैक्सीनेशन अवश्य कराना चाहिए और कोविड-19 गाईड लाइन का पालन भी करना चाहिए।कार्यक्रम को सफल बनाने में हाजी अफ़ज़ाल का भी विशेष सहयोग रहा।

कोरोना का टीका नहीं लगाया तो ऑफलाइन क्लासेज लेना होगा मुश्किल आदेश जारी

कदौरा जालौन। करोना का टीका नहीं लगाया तो ऑफलाइन क्लासेस लेना होगा मुश्किल आदेश जारी लखनऊ में 15 से 18 वर्ष के विद्यार्थियों के टीकाकरण को लेकर चौंकाने वाली बात सामने आई है इंटर कॉलेज में पढ़ने वाले 15 से 18 वर्ष तक के विद्यार्थियों टीकाकरण कराने से किनारा काट रहे हैं इनके चलते स्कूल प्रबंधक व शिक्षा विभाग के अधिकारी की चिंता बढ़ गई है जिला विद्यालय निरीक्षक डॉ अमरकांत सिंह ने सभी स्कूल प्रबंधकों व प्रिंसिपलो को जारी पत्र जारी कर दिशा निर्देश जारी किए हैं इसके तहत टीकाकरण ना करने वाले विद्यार्थियों को ऑफ लाइन क्लास में शामिल होने में परेशानी हो सकती है इसी के चलते आज जनपद जालौन के कदौरा महंत भगवत विशाल इंटर कॉलेज मैं आज तक 132 वैक्सीन लग गई है मौके पर प्रधानाचार्य विकास कुमार मनीष गुप्ता अनीश बैग पृथ्वी पाल रघुवीर शर्मा आदि टीचर मौजूद रहे

रोडवेज बसें नहीं निकल पा रही सर्विस लेन रोड से

कालपी जालौन। नगर का सकरा सर्विस लेन रोडवेज बस के चालकों के लिए मुसीबत बना हुआ है। इस वजह से चालक अपनी अपनी बसों को ओवर ब्रिज से फर्राटा भरते हुए ले जाते हैं। जब कि नगर की कई स्थानों में सवारिया बसों का इंतजार ही करती रहती है। स्थानीय नगर वासियों ने तमाम का बार जिला प्रशासन तथा परिवहन निगम से रोडवेज बसों का संचालन सर्विस लेन सड़क से कराए जाने की मांग उठाई है। एक-दो दिन तो सर्विस लेन रोड में बसें चलती रही। लेकिन चालक लोग सकरा रोड होने की वजह से सर्विस लेन में बसे ले जाने से कन्नी काटने लगे। इसका खामियाजा मुसाफिरों को भुगतना पड़ रहा है। अपने गंतव्य को आने जाने के लिए मुसाफिरों को एक या डेढ़ किलोमीटर पैदल चलना पड़ता है।

लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी ने प्रधानमंत्री का आभार जताया

संवाददाता

लखनऊ। आज लखनऊ गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी की वर्चुअल वार्ता हुई स0 राजेन्द्र सिंह बग्गा अध्यक्ष ने अवगत कराया की प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा साहिबजादा जोरावर सिंह एवम साहिबजादा फ्तेह सिंह जी के विश्व में सबसे छोटी आयु की शहादत को 26 दिसम्बर को ष्वीर बाल दिवसष् साहिब श्री गुरु गोबिंद सिंह जी के प्रकाश पर्व के दिन घोषित करने के लिए सिख समाज प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी को ह्रदय की गहराइयों से धन्यवाद देती है। महामंत्री एवम अध्यक्ष गुरुद्वारा सदर सरदार हरपाल सिंह जग्गी ने उत्तर प्रदेश एवं केंद्र सरकार से अपील की की साहिबजादों की शहादत के इतिहास को NCERT राज्य सरकारों के पाठ्यक्रम में ICSC पाठ्यक्रम में शामिल करना चाहिए। स. सतपाल सिंह मीत प्रवक्ता ने लखनऊ या आसपास के जिले में गुरू गोबिन्द सिंह जी के नाम पर एक मेडिकल कालेज खोलने तथा उत्तर प्रदेश में सिख संग्रहालय खोलने की अपील की सिख इतिहास जो की तलवार की नोक एवं खून की स्याही से लिखा हुआ है देश में जबरन धर्म परिवर्तन एवं देश की आजादी के लिए दिए गए बलिदानों को उजागर करने की आवश्यकता है। इस वर्चुअल मीटिंग में स.तेजपाल सिंह रोमी, स. हरमिंदर सिंह टीटू, स. हरविंदर सिंह नीटा, स. परमजीत सिंह आदि शामिल थे।

लखनऊ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज में छात्रों ने बढ़-चढ़कर वैक्सीनेशन कराया

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज इंसाफनगर पानी गांव इंदिरा नगर में सरकारी निर्देशानुसार 15 वर्ष से 18 वर्ष की आयु वर्ग के छात्र-छात्राओं को कोरोना वैक्सीन की पहली खुराक लगाई गई स वैक्सीनेशन के दौरान कोरोना प्रोटोकॉल का पूर्णतया अनुपालन किया गया स जिन छात्र-छात्राओं की किसी अपरिहार्य कारण से वैक्सीन नहीं लग सकी है , उन्हें शीघ्र वैक्सीन लगवाने का परामर्श दिया गया स स्कूल बंद होने के कारण शत - प्रतिशत वैक्सीनेशन नहीं हो सका स लखनऊ मॉडर्न पब्लिक इंटर कॉलेज इंसाफनगर पानी गांव इंदिरा नगर की प्रिंसिपल श्रीमती शिवानी वर्मा ने शिक्षकों, अभिभावकों और बच्चों से निवेदन किया है कि सब लोग सरकार की इस मुहिम में बढ़-चढ कर वैक्सीनेशन कराएं ,और स्वयं को तथा देश को सुरक्षित बनाएं स उन्होंने कहा कि शिक्षक फोन करके बच्चों को विद्यालय बुला रहे हैं और टीकाकरण करवा रहे हैं।

शत प्रतिशत टीकाकरण कराने की पूरी कोशिश की जा रही है। विद्यालय छात्रों के अलावा अन्य बच्चे भी इलाके से आकर वैक्सीनेशन करा रहे हैं।

शिक्षा एवं रोजगार की दुर्दशा- बादल चोपड़ा

संवाददाता

लखनऊ। उत्तर प्रदेश कोचिंग संघ के अध्यक्ष बादल चोपड़ा ने एक भेंटवार्ता में कहा कि वर्तमान में शिक्षा की जो दुर्दशा हैं, उसका मूलभूत कारण शिक्षकों का राजनीति से दूर चला जाना है। हमें राजनीति में नहीं पड़ना. .. यह कहकर जब एक वर्ग राजनीति से परे चला जाता है तब देश उन अशिक्षित वर्ग के हाथ में अपने आप चला जाता है जिसे शिक्षा का महत्व नहीं पता। एक शिक्षक सृष्टि का निर्माता भी होता है और विनाशक भी... और दूसरा सत्य यह है कि बिना छात्रों के शिक्षक, शिक्षक हो ही नहीं सकता। बिना शिक्षा तथा रोजगार के देश की दिशा व दशा नहीं बदली जा सकती। उत्तर प्रदेश कोचिंग संघ ने प्रथम पायदान पर यह निर्णय लिया है कि जो भी राजनीतिक दल अपने घोषणा पत्र में शिक्षा तथा रोजगार को प्रमुखता से स्थान देगा और पक्का वादा करेगा उसके साथ प्रदेश के समस्त शिक्षक व छात्र होगे। द्वितीय पायदान पर एलान करते हैं कि फिर प्रत्येक सीट से विधायक शिक्षक ही होगा।

वैक्सीनेशन के बाद शुरू करेंगे पढ़ाई

❑ इण्टर कॉलेज में छात्रों ने लगवाई वैक्सीन

बहराइच। चिलवरिया स्थित किसान इंटर कॉलेज में सोमवार को शिविर का आयोजन हुआ। जिसमें अध्ययनरत छात्र छात्राओं को वैक्सीन लगाई गई। साथ ही सभी ने वैक्सीन लगाने के लिए युवाओं को प्रेरित किया। चित्तौरा विकास खंड के चिलवरिया में स्थित किसान इंटर कॉलेज लहडौरा में सोमवार को वैक्सीन लगवाने के लिए शिविर लगा। जिसमें 15 से 18 वर्ष के छात्र छात्राओं को कोविड-19 का टीकाकरण किया गया।

शिविर में पहुंचने वाले छात्र-छात्राओं में गजब का उत्साह दिखा

बच्चों ने बताया कि टीकाकरण करवाने के बाद पढ़ाई शुरू करेंगे। जिससे शरीर को कोरोना के खिलाफ सुरक्षा कवच मिल सके। विद्यालय के शिविर में पहुंचे रिजवान, नूरसबा, दिलीप कुमार,रोशनी, आजाद, हसीना सिद्दीकी,रीता यादव, अखलाक खान,राहुल जयसवाल समेत 74 स्कूली बच्चों को कोरोना का टीका स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा लगाया गया।

आगामी आने वाले दिनों में भी विद्यालय में टीकाकरण शिविर का आयोजन किया जाएगा। जिसमें टीकाकरण में छूटे छात्र-छात्राओं को टीका लगाया जाएगा। शिविर में सी0एच0ओ0 मंगलचंद, एएनएम संजना यादव, सेवा द चिल्ड्रन से अनीता मौर्या, शशिकृष्ण, अंकित सोनी ,आशा सावित्री देवी ,ज्ञान देवी ,विद्यालय के प्रबंधक लाल मोहम्मद खान अध्यक्ष मिज्जन खान उप प्रधानाचार्य इमरान खान ,आजम खान ,सौरभ सिंह ,कमल तिवारी अरुण तिवारी ,अनुज कोमल विद्यालय के समस्त अध्यापक उपस्थित रहे। विद्यालय में अध्यापकों के माध्यम से बच्चों को टीकाकरण के प्रति जागरूक किया गया।

हमारा लखनऊ -हमारी जिम्मेदारी कार्यक्रम के तहत उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने कोविड-19 के नए वेरिएंट को अधिक प्रभावी ना होने देने के लिए कमर कसी

संवाददाता

❑ कपूरथला प्रगति बाजार में जिला प्रशासन एवं व्यापारियों के सहयोग से सोमवार को वैक्सीनेशन कैंप आयोजित हुआ, ❑ मंगलवार को भी जारी रहेगा कैंप ❑ आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने जनता को फेस मास्क अनिवार्य रूप से पहनने हेतु जागरूकता अभियान चलाया तथा जनता ,राहगीरों, व्यापारियों को फेस मास्क भी वितरित किए तथा सभी से अनिवार्य रूप से फेस मास्क लगाने की अपील की ❑ हमारा लखनऊ –हमारी जिम्मेदारी– संजय गुप्ता ❑ सभी की जागरूकता से तीसरी लहर को बढ़ने से रोका जा सकता है– संजय गुप्ता

लखनऊ। तीन दिन पूर्व जिलाधिकारी लखनऊ के साथ हुई बैठक में तय हुए कार्यक्रम ष्हमारा लखनऊ –हमारी जिम्मेदारीष् के तहत उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के पदाधिकारियों ने कोविड-19 के नए वैरीअंट को बढ़ने से रोकने के लिए व्यापक तैयारियां शुरू कर दी ष्उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ,कपूरथलाष् के बैनर तले जिला प्रशासन के सहयोग से प्रगति बाजार में वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन किया गया वैक्सीनेशन कैंप में दोनों खुराको के साथ-साथ 15 वर्ष से अधिक बच्चों को भी टीका लगाया गया तथा इस अवसर पर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष संजय गुप्ता मौजूद रहे ,व्यापारी नेता संजय गुप्ता की उपस्थिति में व्यापारियों ने फेस मास्क वितरण कार्यक्रम भी किया तथा नागरिकों ,व्यापारियों एवं बच्चों को निशुल्क फेस मास्क वितरित किए तथा सभी से कोविड-19 के नियमों का पालन करने की अपील की इस अवसर पर बोलते हुए संजय गुप्ता ने कहा –हमारा लखनऊ हमारी जिम्मेदारी है –हम सभी को मिलकर कोविड-19 की तीसरी लहर को रोकना होगा सभी के सामूहिक प्रयास से निश्चित रूप से हम लोगों को सफलता मिलेगी ट्रांस गोमती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष बीपी अवस्थी ने बताया मंगलवार को भी वैक्सीनेशन कैंप जारी रहेगा वैक्सीनेशन कैंप एवं जागरूकता अभियान में मुख्य रूप से ट्रांस गोमती के वरिष्ठ उपाध्यक्ष ब्रह्म प्रकाश अवस्थी ,कपूरथला के अध्यक्ष राजवीर सिंह, लखनऊ के उपाध्यक्ष सुदर्शन कटियार ,कपूरथला के महामंत्री सुशील वर्मा, कपूरथला के उपाध्यक्ष राजीव रस्तोगी,संजय कुमार गुप्ता, संजय कीर्ति ,रोमी मेहरोत्रा ,मोहन मेघानी, रोहित पाहवा ,समित पाहवा, श्रीमती रंजना शर्मा दिनेश, चौरसिया सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी गौ प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष इटावा हिंदू पारस जैन

संवाददाता

लखनऊ। हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार मे हिंदू पारस जैन जी को गौ प्रकोष्ठ का जिला अध्यक्ष इटावा की जिम्मेदारी सौंपी जाती है हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप तन मन पूरे जिले में संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे आपके मनोनयन पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी हिंदू देव प्रकाश शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय संयोजक प्रकाश मिश्रा जी राष्ट्रीय शासन प्रभारी श्यामानंद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुलकित आनंद राष्ट्रीय प्रभारी अजय गोस्वामी हिंदू पंडित ह्रदेश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सलाहकार बलराम सिंह यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष लीगल सेल एच एन मिश्रा राष्ट्रीय सचिव राजन मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक राष्ट्रीय राष्ट्रीय सचिव संस्कृति प्रकोष्ठ मनोज पाठक हिन्दू अनुराग तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिन्दू प्रशांत नीलकंठ अंबेडकर राष्ट्रीय अध्यक्ष विकलांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रोशनी शुक्ला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपिका मिश्रा उत्तर प्रदेश प्रभारी दीपिका वर्मा विजय सागर सोनी मंडल प्रभारी कानपुर राजीव मिश्रा प्रदेश सचिव उत्तर प्रदेश सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया सभी लोगों ने आशा व्यक्त की आप संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे हम सभी आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

जरूरत की पेटी का पयागपुर मे हुआ शुभारंभ

पूर्व विधायक ने फीता काट कर किया शुभारंभ

बहराइच। गत वर्ष की भांति इस वर्ष भी कायस्थ युवा मंच द्वारा पयागपुर इकाई के सहयोग से पयागपुर में भी ष्जरूरत की पेटीष् का शुभारंभ मुकेश श्रीवास्तव पूर्व विधायक पयागपुर व प्रखर श्रीवास्तव जिलाध्यक्ष कायस्थ युवा मंच द्वारा फीता काट कर किया गया। तद्पश्चात जरूरतमंदों को नए कम्बल व जरूरत की पेटी में प्राप्त वस्त्रों का वितरण भी किया गया। प्रखर श्रीवास्तव ने बताया कि बहराइच नगर स्थित श्री चित्रगुप्त चौक पर भी यह जरूरत की पेटी रखी गई है, जिससे अब तक करीब 40 हजार लोगों को फायदा पहुंच चुका है। कार्यक्रम में कायस्थ युवा मंच के संरक्षक श्याम सुंदर श्रीवास्तव ने बताया कि जिन भाइयों के पास अगर पुराने कपड़े हो तो जरूरत की पेटी में डाल दें जिसको जरूरत हो वह ले ले इससे गरीब तबके लोगों को भीषण ठंड में राहत मिलेगी। इस मौके पर कायस्थ महासभा जिलामहामंत्री व संरक्षक कायस्थ युवा मंच पंकज श्रीवास्तव, कायस्थ युवा मंच जिला उपाध्यक्ष नीलेश श्रीवास्तव श्सूरजश, नगर उपाध्यक्ष उत्कर्ष श्रीवास्तव, शुभम श्रीवास्तव, आयुष श्रीवास्तव, शिवम श्रीवास्तव, राज श्रीवास्तव समेत तमाम सदस्य उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय युवा वाहिनी लेबर यूनियन के जिला अध्यक्ष इटावा बने जयदीप उर्फ जैकि

संवाददाता

लखनऊ। हिन्दू देव प्रकाश शुक्ला संस्थापक एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी परिवार मे हिंदू जयदीप उर्फ जैकि जी को लेबर यूनियन इटावा का जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी सौंपी जाती है हमें आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि आप तन मन पूरे जिले में संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे आपके मनोनयन पर राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय संरक्षक श्री श्री 1008 महामंडलेश्वर रामदास जी महाराज एवम राष्ट्रीय अध्यक्ष राष्ट्रीय युवा वाहिनी हिंदू देव प्रकाश शुक्ला राष्ट्रीय महासचिव डॉ राजीव लोचन शुक्ला राष्ट्रीय संयोजक प्रकाश मिश्रा जी राष्ट्रीय शासन प्रभारी श्यामानंद राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पुलकित आनंद राष्ट्रीय प्रभारी अजय गोस्वामी हिंदू पंडित ह्रदेश शर्मा राष्ट्रीय अध्यक्ष गौ प्रकोष्ठ राष्ट्रीय सलाहकार बलराम सिंह यादव राष्ट्रीय अध्यक्ष लीगल सेल एच एन मिश्रा राष्ट्रीय सचिव राजन मिश्रा राष्ट्रीय उपाध्यक्ष अभिषेक राष्ट्रीय राष्ट्रीय सचिव संस्कृति प्रकोष्ठ मनोज पाठक हिन्दू अनुराग तिवारी राष्ट्रीय उपाध्यक्ष हिन्दू प्रशांत नीलकंठ अंबेडकर राष्ट्रीय अध्यक्ष विकलांग प्रकोष्ठ अध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ रोशनी शुक्ला राष्ट्रीय उपाध्यक्ष दीपिका मिश्रा उत्तर प्रदेश प्रभारी दीपिका वर्मा विजय सागर सोनी मंडल प्रभारी कानपुर सभी पदाधिकारियों ने हर्ष व्यक्त किया सभी लोगों ने आशा व्यक्त की आप संगठन को नई ऊर्जा प्रदान करेंगे हम सभी आपके उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं।

निया शर्मा

ने आउटफिट को लेकर ट्रोल होने पर बयां किया दर्द, कहा-मेरे कपड़े आज भी डिस्कशन का टॉपिक है

निया शर्मा (Nia Sharma) अपनी बोल्डनेस की वजह से अक्सर सुर्खियों में रहती हैं. कभी निया के प्रोजेक्ट की चर्चा होती है तो कभी उनके आउटफिट की. छोटे पर्दे की बोल्ड बिंदास एक्ट्रेस निया ऐसे रोल करना पसंद करती हैं जो थोड़ा हटकर हो. 'जमाई राजा' (Jamai Raja), 'एक हजारों में मेरी बहना' है' (Ek Haazaron Mein Meri Behna Hai) जैसे शो की वजह से सिंपल सी एक्ट्रेस को जब लोगों ने बोल्ड अंदाज में देखा तो उन्हें जमकर ट्रोल किया गया. वेब सीरीज में निया बोल्ड सीन देकर चर्चा में आ गई थीं. इस बारे में एक्ट्रेस ने खुलकर अपनी बात रखी.

निया शर्मा के Kiss सीन जब हुआ था बवाल

बॉलीवुड बबल को दिए एक इंटरव्यू में निया शर्मा ने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा कि '2016-2017 की बात है जब मैंने 'जमाई राजा' खत्म किया था और 'ट्विस्टेड' वेब सीरीज में काम किया तो ट्रोलिंग शुरू हो गई. मैंने इसमें एक लड़की को किस किया था, वोह बवाल.. जब लोगों को इस लव सीन के बारे में पता चला तो सीरीज के बारे में बज बन गया था जो शो के लिए फायदेमंद साबित हुआ.

कपड़ों पर शुरू हुआ डिस्कशन आज भी जारी

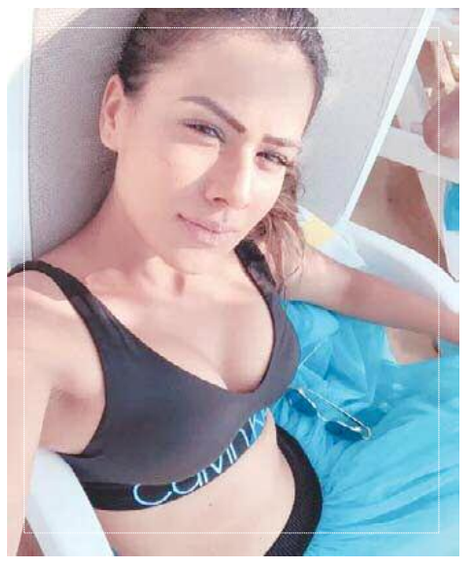

निया शर्मा आगे बताती है, 'लेकिन उस समय मैंने सोचा सही तो है, ये ठीक है, लोग आपके बारे में बात कर रहे हैं. लेकिन ये कभी बंद नहीं हुआ, मेरे कपड़े आज भी डिस्कशन का टॉपिक है. यहां तक कि जब मेरा सॉन्ग रिलीज हुआ तो तब भी नीचे ऐसे ही कमेंट थे. पता नहीं कैसे ऐसा माना जाने लगा कि न्यूज में रहने के लिए मैं ऐसा करती हूं. हर सॉन्ग अपने अलग कैरेक्टर के रुप मे सामने आता है और मैं सभी में भरपूर उत्साह के साथ काम करती हूं'.

दूसरे ग्रेसफुल कहलाते हैं और मैं ट्रोल होती हूं-निया

निया शर्मा ने आगे कहा कि 'पता नहीं कैसे जब दूसरे 6 इंच क्लीवेज रिवीलिंग आउटफिट पहनते हैं तो ग्रेसफुल कहलाते हैं वहीं अगर मैंने आधी इंच भी रिवीलिंग आउटफिट पहना तो दूसरे तरीके से लिया जाता है. मुझे ये समझ में ही नहीं आता. कमेंट्स बंद ही नहीं होते और कई बार तो मैं ये सोचकर हैरान रह जाती हूं कि सिर्फ मेरे कपड़े ही चर्चा का विषय हैं और कुछ नहीं'. बता दें, निया 'बिग बॉस 15' शो पर ठुमके लगाती नजर आएंगी.

बता दें कि निया शर्मा ने अपने नए गाने 'Phoonk Le' का टीजर सोशल मीडिया पर शेयर किया है. निया इस गाने में कलरफुल ड्रेस में डांस करती नजर आ रही हैं. कैप्शन में लिखा है 'मिर्ची ना लग जाए कहीं, फूंक ले'.निया शर्मा का नया गाना 10 जनवरी को रिलीज होने वाला है. निया शर्मा की सोशल मीडिया पर तगड़ी फैन फॉलोइंग है. यहीं वजह है कि उनके वीडियोज-फोटोज सोशल मीडिया पर वायरल हो जाती हैं. निया के फैंस को बेसब्री से नए गाने का इंतजार है.

जैकलीन फर्नांडीज संग ठग सुकेश चंद्रशेखर की इंटिमेट तस्वीर वायरल, ट्रोल होने पर एक्ट्रेस ने लोगों से की ये अपील

बॉलीवुड एक्ट्रेस जैकलीन फर्नांडीज (Jacqueline Fernandez Sukesh Chandra Shekhar Photos) की आज सुबह से एक नई तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इस तस्वीर में वह ठग सुकेश चंद्रशेखर उन्हें किस करते हुए नजर आ रहे हैं. जैकलीन की ये तस्वीर भी सामने आने के बाद लोग उन्हें ट्रोल कर रहे हैं, जिससे एक्ट्रेस परेशान हो गई हैं और उन्होंने फैंस से खास अपील करते हुए उन्हें ट्रोल नहीं करने के लिए कहा है. उनका कहना है कि वह बहुत ही बुरे दौर से गुजर रही हैं. उन्होंने लोगों से उनकी प्राइवेसी को बनाए रखने और उनकी तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर नहीं करने की अपील की है.

जैकलीन फर्नांडीज (Jacqueline Fernandez Instagram) ने सोशल मीडिया शेयर किए बयान में लिखा है,यह देश ने और इस देश के लोगों ने मुझे हमेशा बहुत सारा और असीमित प्यार दिया है. इसमें मीडिया से मेरे फ्रेंड्स शामिल हैं जिनसे मैंने काफी कुछ सीखा है. मैं मौजूदा वक्त में एक बहुत बुरे वक्त से गुजर रही हूं. मुझे उम्मीद है कि आप जल्द ही इससे बाहर निकलते हुए देखेंगे. मेरी अपने मीडिया फ्रेंड्स से ये रिक्वेस्ट है कि वे मेरी प्राइवेसी का खयाल रखेंजैकलीन (Jacqueline Fernandez Statement) ने अपने बयान में आगे लिखा,और मेरी पर्सनल फोटोज ऐसे सोशल मीडिया पर सर्कुलेट ना करें. आप अपने करीबी और पसंदीदा लोगों के साथ ऐसा नहीं कर सकते. मुझे उम्मीद है कि आप मेरे साथ भी ऐसा नहीं करेंगे. मैं उम्मीद करती हूं कि न्याय की जीत होगी और इसे आप अच्छे नजरिए से लेंगे. धन्यवाद.

सुकेश ने जैकलीन को दिए महंगे गिफ्ट

200 करोड़ रुपये के कथित मनी लॉन्ड्रिंग (money laundering) मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ED) द्वारा ठग सुकेश चंद्रशेखर (Sukesh Chandrashekhar) से पूछताछ के दौरान जैकलीन फर्नांडीज (Jacqueline Fernandez) का नाम सामने आने के बाद से वह सुर्खियों में हैं. सुकेश ने कथित तौर पर जैकलीन को कई महंगे तोहफे भी दिए थे जिन्हें जांच एजेंसी ने जब्त कर लिया है.

जैकलीन फर्नांडीज के खिलाफ जारी हुई LOC

प्रवर्तन निदेशालय ने 5 दिसंबर को फर्नांडीज के खिलाफ एलओसी जारी किया था. लुक आउट नोटिस के कारण इमिग्रेशन अधिकारियों ने अभिनेत्री को मुंबई हवाई अड्डे पर रोक दिया था. वह छत्रपति शिवाजी महाराज अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से कार्यक्रम के लिए मस्कट जा रही थीं और उन्हें पूछताछ के लिए दिल्ली लाया गया था.

India's Best Dancer 2: शिल्पा शेट्टी को टेरेंस लुईस ने बाहों में उठाया, हैरान हुईं एक्ट्रेस, बादशाह ने दिए ये रिएक्शन

'इंडियाज बेस्ट डांसर 2 के ग्रैंड फिनाले (IndiaÕs Best Dancer w Grand Finale) के सेट पर टेरेंस लुईस ने शिल्पा शेट्टी को अपनी बाहों में उठा लिया. इससे शिल्पा काफी ज्यादा हैरान हो गईं. मेकर्स ने कुछ घंटे पहले ग्रैंड फिनाले का एक नया प्रोमो वीडियो शेयर किया. शिल्पाडांस शो के ग्रैंड फिनाले में रैपर बादशाह और मनोज मुंतशिर के साथ 'इंडियाज गॉट टैलेंट 9' (India's Got Talent ~) को प्रमोट करने पहुंची थीं.

वीडियो की शुरुआत फिनाले में दिखाई देने वाले कंटेस्टेंट्स की परफॉर्मेंस की झलक के साथ होती है. शिल्पा और बादशाह सभी कलाकारों को चीयर करते नजर आते हैं. इस दौरान शिल्पा ने डांसर धर्मेश (Shilpa Dharmesh Dance) के साथ उनका और अक्षय कुमार की फिल्म 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी' से 'चुरा के दिल मेरा' सॉन्ग पर डांस भी किया.

बादशाह और ऑडियंस ने दिए ये रिएक्शन

होस्ट मनीष पॉल, 'इंडियाज बेस्ट डांसर 2' के जज टेरेंस लुईस और शिल्पा बातचीत कर रहे थे, तभी टेरेंस ने अचानक शिल्पा (Terence Lewis Lift Up Shilpa Shetty को अपनी बाहों में उठा लिया. शिल्पा टेरेंस के इस व्यवहार से हैरान हो गईं. इतना ही शो में मौजूद मनोज मुंतशिर और बादशाह समेत ऑडियंस भी हैरान हो गई.

ग्रैंड फिनाले में नहीं दिखीं मलाइका अरोड़ा

टेरेंस लुईस, मलाइका अरोड़ा और गीता कपूर के साथ 'इंडियाज बेस्ट डांसर 2 को जज कर रहे हैं. जहां गीता ग्रैंड फिनाले के प्रोमो में नजर आ रही थीं, वहीं मलाइका अरोड़ा मिसिंग दिखीं. एक सूत्र ने द इंडियन एक्सप्रेस को बताया कि मलाइका (Malaika Arora Health) को अपनी हेल्थ की वजह से ग्रैंड फिनाले एपिसोड को छोड़ना पड़ा. टेरेंस ने हाल में शो के प्रोड्यूसर रंजीत ठाकुर और गीता के साथ एक तस्वीर शेयर की थी और लिखा कि वह सेट पर मलाइका को मिस करते हैं.

यश दासगुप्ता ने क्यूट अंदाज में किया नुसरत जहां को बर्थडे विश, अनदेखी फोटो शेयर करने पर एक्ट्रेस ने दिया रिएक्शन

बंगाली ब्यूटी नुसरत जहां (Nusrat Jahan Birthday) आज यानी 8 जनवरी अपना बर्थडे सेलिब्रेट कर रही हैं. वह आज 32 साल की हो गई हैं. नुसरत जहां ने सोशल मीडिया पर फैंस अपनी बर्थडे पार्टी की झलक दिखाई है. नुसरत को बर्थडे के मौके पर यश दासगुप्ता ने जन्मदिन की बधाई दी है. इसके लिए यश ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी का सहारा लिया है. उन्होंने अपनी इंस्टा स्टोरी पर एक अनदेखी तस्वीर शेयर की है. इस तस्वीर में यश और नुसरत को चिल आउट करते हुए देखा जा सकता है. नुसरत ने यश की इंस्टा स्टोरी को अपनी इंस्टा स्टोरी पर शेयर किया है.

बंगाली एक्ट्रेस और तृणमूल कांग्रेस की सांसद नुसरत जहां (TMC MP Nusrat Jahan Photos) ने अपनी इंस्टा स्टोरी यश दासगुप्ता के साथ मिमी चक्रवर्ती की इंस्टा स्टोरी शेयर की है. मिमी ने भी नुसरत को बर्थडे विश किया है और उनके साथ वाली तस्वीरें शेयर की हैं. यश ने जो तस्वीर शेयर की है, उसमें नुसरत को सेल्फी कैमरा की तरफ देखते हुए जीभ निकालते हुए देखा जा सकता है. दोनों ने सन ग्लास पहने हुए हैं. इसके कैप्शन में यश ने दिल वाले स्टीकर के साथ 'हैप्पी बर्थडे' लिखा है.

नुसरत जहा ने दिया ये रिएक्शन

वहीं, नुसरत जहां ने अपनी इंस्टा स्टोरी पर इस तस्वीर को शेयर करते

हुए यश का आभार जताया है. उन्होंने दिल वाले स्टीकर के साथ 'थैंक्यू' लिखा है. नुसरत ने इससे पहले अपनी एक तस्वीर इंस्टाग्राम पर शेयर की थी. इस तस्वीर में नुसरत के आगे एक केक रखा हुआ है, जिस पर एक कैंडल जल रही है. वह कैमरा की तरफ देखते हुए क्यूट पोज दे रही हैं. इस तस्वीर को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा,एक और साल बड़ा होना खुशनसीबी नहीं हैज पर्सनीफाइड करने के लिए आभार.

यश दासगुप्ता हैं नुसरत के बेटे के पिता

नुसरत जहां (Nusrat Jahan Baby Name) ने हाल ही में एक बेबी यशन को जन्म दिया और खुलासा किया कि यश दासगुप्ता ही उनके पिता है. नुसरने अगस्त 2020 में ही अपने बेटे ईशान को जन्म दिया है और हाल ही में यश दासगुप्ता के साथ अपने प्यार को जाहिर किया. उन्होंने खुल्लम खुल्ला इस बात को स्वीकार कर लिया है कि वह यश दासगुप्ता के साथ प्यार में हैं.

निखिल जैन से हुआ नुसरत का अलगाव

नुसरत जहां अक्सर किसी ना किसी वजह से सुर्खियों में रहती हैं. कभी अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर तो कभी प्रोफेशनल लाइफ को लेकर नुसरत जहां के चर्चे होते रहते हैं. बीते दिनों नुसरत जहां अपने पति निखिल जैन (Nusrat Jahan Nikhil Jain Conflict) से अलगाव को लेकर सुर्खियों में थीं. नुसरत जहां और निखिल जैन अब अपने-अपने रास्ते पर हैं.

पेंटिंग में कॅरियर

बचपन में हम सभी ने अपने हाथों में ब्रश उठाकर पेंटिंग की है। पेंटिंग करना यकीनन हर किसी के मन को सुकून देता है, लेकिन जैसे-जैसे हम बड़े होते चले जाते हैं, वह शौक कहीं पीछे छूटने लगता है। काम की आपाधापी में ब्रश हाथों से कब दूर चला जाता है, पता ही नहीं चलता। लेकिन अगर आपको पेंटिंग करना बेहद पसंद है तो क्यों न अपने इसी शौक को आप अपना कॅरियर बना लें। तो चलिए जानते हैं इस क्षेत्र के बारे में-

क्या होता है काम : एक पेंटर कई तरह के सरफेस पर पेंटिंग करता है। उसका काम डोमेस्टिक से लेकर इंडस्टियल हो सकता है। वह सिर्फ छोटे स्केल पर कागज पर पेंटिंग नहीं करता और न की उसका काम सिर्फ कैनवास तक सीमित है, बल्कि वह घर को रिडेकोरेट करने से लेकर ब्रिज या अन्य हैवी व बड़े प्रोजेक्ट्स पर भी अपना कलात्मकता उकेरता है।

स्किल्स : इस क्षेत्र में सफलता के लिए सबसे जरूरी है आपका कल्पनाशील होना। इसके अलावा आपको पेंट कलर्स, टोन्स, हाइलाइट व आर्ट के बारे में भी नॉलेज होनी चाहिए। आपको कलर्स के शेड्स व उनकी मिक्सिंग की जानकारी भी होनी चाहिए। कई बार एक पेंटर को कई बड़े प्रोजेक्ट करने होते हैं, इसलिए उसे टीम के साथ भी काम करना होता है। साथ ही आपको कई घंटों तक काम करना पड़ सकता है, इसके लिए आप फिजिकली व मेंटली तैयार रहें। एक पेंटर सिर्फ पेंटिंग ही नहीं करता, बल्कि अपने काम को लोगों के सामने पेश भी करता है, इसलिए आपके कम्युनिकेशन व लैंग्वेज स्किल भी अच्छी होनी जरूरी है।

योग्यता : एक पेंटर बनने के लिए अलग से किसी स्पेशल क्वालिफिकेशन की जरूरत नहीं होती। लेकिन पेंटिंग की बारीकियों को समझने और अपना हाथ साफ करने के लिए आप इस क्षेत्र में डिप्लोमा या डिग्री कोर्स जैसे बीए इन पेंटिंग, बीए पेंटिंग, स्कल्पचर, अप्लाइड आर्टस, बीएफए पेंटिंग, कोर्स आदि कर सकते हैं। इसके अलावा ग्रेजुएशन के बाद इस क्षेत्र में पोस्ट ग्रेजुएशन भी किया जा सकता है।

संभावनाएं : पेंटिंग एक बेहतरीन कॅरियर है और एक पेंटर आर्ट गैलरीज से लेकर न्यूजपेपर, मैगजीन, पोस्टर, फिल्म व टीवी इंडस्टी में आर्टवर्क की तलाश कर सकता है। इसके अलावा अगर आप चाहें तो फीलांस वर्क भी कर सकते हैं या फिर किसी फाइन आर्ट इंस्टीटयूट व कॉलेज में बच्चों को पढ़ा भी सकते हैं। अगर चाहें तो खुद का कोचिंग इंस्टीट्यूट खोलें।

आमदनी : इस क्षेत्र में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपका काम लोगों को कितना पसंद आता है, लेकिन फिर भी शुरूआती दौर में आप बीस से पच्चीस हजार आसानी से कमा सकते हैं। वहीं कुछ सालों के एक्सपीरियंस व आपके काम की पापुलैरिटी के आधार पर आपकी आमदनी कई गुना बढ़ भी सकती है।

नारियल से होता है वजन कम

नारियल एक ऐसा फल है, जिसका सेवन लोग कई रूपों में करते हैं। कभी नारियल के फल की चटनी या सब्जी में इस्तेमाल करके तो कभी नारियल पानी पीकर तो कभी इसके तेल को खाने में शामिल करके। इतना ही नहीं, इसके सेवन से स्वास्थ्य को कई तरह से लाभ होते हैं। खासतौर से, अगर आप अपना वजन कम करना चाहते हैं तो फिर नारियल आपकी डाइट का हिस्सा होना ही चाहिए। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं कि नारियल के सेवन से किस तरह होता है वजन कम-

लो कार्ब्स

जब व्यक्ति अपना वजन कम करना चाहता है तो सबसे पहले वह लो-कार्ब फूड लेना शुरू करता है और नारियल भी एक ऐसा ही फल है, जिसमें कार्ब्स की मात्रा कम होती है, जिससे वजन कम करने में सहायता मिलती है। इसके अतिरिक्त नारियल में एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण होते हैं और यह ओमेगा-3 फैटी एसिड से भरपूर होता है। नारियल के तेल में भोजन को पकाने से आपके शरीर को बहुत सारे पोषक तत्व मिलते हैं।

कम करे क्रेविंग

नारियल खाने का एक लाभ यह है कि क्रेविंग को कम करने में सहायक है। इसे खाने से आपकी भूख शांत होती है और आपको लंबे समय तक पेट भरा महसूस होता है। इसके अलावा नारियल में मौजूद शुगर भी तुरंत एनर्जी में बदल जाता है।

बढ़ाए मेटाबॉलिज्म

नारियल के तेल में मीडियम चेन फैटी एसिड पाए जाते हैं। यह फैटी एसिड पाचन तंत्र से सीधे लीवर में प्रवेश कर जाते हैं, जहां वे या तो ऊर्जा के रूप में उपयोग किए जाते हैं या कीटोन बॉडी में बदल जाते हैं। इतना ही नहीं, इन मीडियम चेन फैटी एसिड को वजन घटाने और कमर का घेरा कम करने के लिए जाना जाता है।

कम करे कमर का घेरा

यूं तो नारियल की मदद से शरीर का वजन कम होता है ही, साथ ही इसका सबसे बेहतर प्रभाव कमर के घेरे पर दिखाई देता है। कुछ रिसर्च बताती है कि नारियल तेल का सेवन करने से बेली फैट को बेहद आसानी से कम किया जा सकता है। साथ ही भूख को कम करने और मेटाबॉलिज्म के ब्रूस्टअप होने के कारण नारियल तेल के सेवन से घटाया गया वजन जल्दी वापिस भी नहीं आता।

फैशन का असर बन रहा है युवाओं के लिए कहर

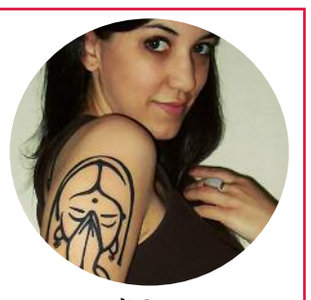

कुछ साल पहले जब लो वेस्ट जींस का नया-नया फैशन आया था तो सपना रोज-रोज लो वेस्ट जींस पहनने लगी थी। उसको तो जैसे लो वेस्ट जींस से प्यार ही हो ग्या था। उसने लो वेस्ट जींस का दामन तब तक नहीं छोड़ा जब तक कि उसे असहनीय पीड़ा नहीं होने लग्गी। हुआ यूं कि एक दिन अचानक उसे कमर में तेज दर्द होने लग्गा। उसे समझ ही नहीं आ रहा था कि उसे कमर में दर्द क्यों होने लगा? उसने आफिस में अपनी कुर्सी की जगह, अपने बैठने का पोस्चर आदि सब बदल दिया। योग तक करने लगी। लेकिन दर्द से राहत न मिली। फिर वह एक बार डाक्टर के पास गई और ये सुनकर उसके पैरों तले जमीन निकल गई कि उसकी कमर दर्द की वजह उसकी चुस्त जींस है। दरअसल शरीर से चिपक जाने वाली चुस्त जींस पहनने से कमर की नसें दब जाती हैं। ऐसी स्थिति को पैरेस्थेटिका कहते हैं। इससे जांघों में भयानक दर्द और सुन्नपन भी हो जाता है। इसलिए इस तरह के चुस्त कपड़े कभी-कभी जानलेवा भी हो सकते हैं। आइए ऐसी ही कुछ और बातों के बारे में जानें जो कि हमारे लिए नुकसानदायक हैं।

खुले और चुस्त कपड़े

हमेशा तन को ढ़कने वाले कपड़े पहनने चाहिए। ज्यादा से ज्यादा शरीर दिखाने के चक्कर में लड़कियां अपने स्वास्थ्य से संबंधित बीमारियों को निमंत्रण दे बैठती हैं। खासकर कमर दिखाने के चक्कर में। कमर का ऊपरी भाग दिखाने से फाइब्रोमाइलेगिया होने का डर रहता है।

इस स्थिति में मांसपेशियां और लिगामेंट्स में असहनीय दर्द होता है। इससे छुटकारा पाने के लिए दवाइयों और फिजियोथैरेपी का इस्तेमाल किया जाता है। अगर आप चुस्त कपड़े पहनते हैं तो कई प्रकार का संक्रमण होने का भी खतरा बना रहता है क्योंकि शरीर में जो पसीना होता है वह सूख नहीं पाता है और जगह-जगह जम जाता है। मोटे पोलिएस्टर का कपड़ा भी न पहनें। उनसे भी पसीना नहीं सूख पाता है।

ऊंची हील

लंबा कौन नहीं दिखना चाहता? मगर लंबा दिखने के लिए हील का सहारा लेना कभी-कभी नुकसानदायक भी साबित हो सकता है। इससे पैरों की हड्डियों को नुकसान पहुंच सकता है। एड़ी में चमक पड़ सकती है या फिर फ्रैक्चर हो सकता है। तो जब भी आप अपने लिए जूते या सैण्डल लेने जाएं तो इस बात का ध्यान रखें कि वे आप के पैरों में एकदम फिट हों। न ज्यादा छोटे हों और न ही ज्यादा बड़े। ज्यादा टाइट जूते पहनने से अंगूठों में चोट लग सकती है। अगर आप को कमर या गर्दन दर्द की शिकायत है तो ऊंची हील से तौबा कर लें।

धूप का चश्मा

धूप का चश्मा पहनने से आप का व्यक्तित्व तो निखर जाता है। लेकिन इसका ख्याल रखें कि आप का चश्मा कितनी मात्रा में आप की आंखों को अल्ट्रावायलट किरणों से बचाएगा? चश्मा खरीदने से पहले लेबल पर ध्यान दें और हमेशा बेहतर गुणवत्ता का ही चश्मा खरीदना चाहिए।

टैटू और पियर्सिंग

आजकल स्टार्स की देखा देखी हर कोई अपने शरीर में पियर्सिंग करा रहा है या टैटू बनवा रहा है, जिसे बाडी आर्ट के नाम से जाना जाता है। बाडी आर्ट के नाम पर होंठ, जीभ, पेट की नाभि में भी पियर्सिंग जोर शोर से कराई जाती है।

खैर, भौंहों, होंठों व जीभ में पियर्सिंग कराना फैशनेबल तो है लेकिन कई बीमारियों का घर भी है। इनसे केलोइड्स की समस्या उत्पन्न हो जाती है। शरीर के जिस भाग में पियर्सिंग होती है या टैटू बनाया जाता है, वहां की त्वचा में एक निशान बन जाता है। उसे केलोइड कहते हैं जो कि निरंतर बढ़ता जाता है। देखने में तो ये भद्दा लगता ही है साथ ही कई बीमारियों को न्यौता भी देता है। इससे कभी-कभी कैंसर भी हो सकता है।

बालों में डाई या कलरिंग

बालों में डाई या कलर आदि ध्यान से लगाएं। इनसे सिर की जड़ में संक्रमण हो सकता है। मेहंदी का इस्तेमाल उचित होता है। यहां तक कि काली मेहंदी भी बालों के लिए हानिकारक हो सकती है।

कानों में बड़े कुडंल

कानों में बड़े-बड़े कुडंल पहनने से चैहरे की रौनक देखते ही बनती है। और देखने में भी ये बहुत अच्छे लगते हैं। लेकिन इससे कान का छेद बढ़ता चला जाता है और फिर पूरा कान ही कट जाता है जिससे राहत पाने के लिए सर्जरी करानी पड़ती है।

गर्भवती महिलाओं को ढ़ीले-ढ़ाले कपड़े पहनने चाहिए

गर्भवती महिलाओं को तो ढ़ीले ढ़ाले कपड़े ही पहनने चाहिए। चुस्त कपड़े पहनने से पेट पर दबाव पड़ता है और घबराहट भी होने लगती है। संक्रमण होने की संभावना भी बढ़ जाती है क्योंकि शरीर का पसीना पूरी तरह से सूख नहीं पाता है।

कठोर साबुन

कोई भी साबुन खरीदने से पहले उसका पीएच देख लें और वही साबुन खरीदें जिसका पीएच 5-6 हो क्योंकि जितना अधिक पीएच होगा वह साबुन उतना ही कठोर होगा। कठोर साबुन इस्तेमाल करने से त्वचा को बचाने वाली परत को नुकसान पहुंचता है और त्वचा बेहद रूखी हो जाती है।

मोबाइल पर बात करना

आज के समय में बढ़िया से बढ़िया मोबाइल लेकर चलना लोगों के लिए एक स्टेटस सिंबल सा बन गया है। बढ़िया होता कि ये क्रेज सिर्फ लोगों तक ही कायम रहता और आज की युवा पीढ़ी इसका शिकार न बनती। मगर अफसोस मोबाइल तो अब युवाओं की शान बन गया है। अब ऐसा तो कम ही देखने को मिलता है कि किसी कालेज में पढ़ने वाले छात्र के पास मोबाइल न हो।

देखने वाली बात तो ये होती है कि सबसे अच्छा मोबाइल किसके पास है? खैर, अब ये शौक उन सबके लिए एक मीठा जहर बनता जा रहा है जो कि दिन भर मोबाइल पर बातें करते रहते हैं। क्योंकि अब कई शोधों में ये बात साफ हो चुकी है कि मोबाइल में ऐसी खातरनाक तरंगें होती हैं जो कि शरीर के लिए बेहद हानिकारक हो सकती हैं। ये दिल को नुकसान पहुंचा सकती हैं। कानों में भी कई प्रकार की बीमारियां हो सकती हैं।

कान में हेडफोन पर गाने सुनना:-

इससे भी बड़ी खतरे की घंटी ये है कि अब लगभग सभी युवाओं के कानों में हेडफोन लगा होता है और वे उससे दिन भर गाने सुनते रहते हैं। इससे उनका ध्यान बाकी चीजों में जाता ही नहीं। बस में, आटो में, कक्षा में बोरियत से बचने के इस यंत्र ने युवाओं में अपने प्रति एक मोहजाल सा पैदा कर दिया है। कई बार तो सड़क पर चलते समय भी ये लोग कानों में हेडफोन लगा गाने सुनते रहते हैं और इन लोगों को गाड़ियों का हार्न तक सुनाई नहीं देता है। तो है न चलता फिरता खतरा।

करें यह उपाय तो नहीं झड़ेंगे बाल

बालों को झड़ने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है उसे पोषित करना। इसके लिए आप बालों की तेल से मालिश करें। बेहतर होगा कि आप मसाज से पहले ऑयल को हल्का गर्म करें। इससे ऑयल गहराई तक पोषण प्रदान करता है। तेल मालिश करने से सिर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे बालों को मजबूती मिलती है और वह तेजी से बढ़ते हैं। इतना ही नहीं, इससे हेयरफॉल भी कम होता है। आज के समय लोगों का लाइफस्टाइल जिस तरह का है, उसके कारण कई तरह की सौंदर्य समस्याएं होती हैं। इनमें बालों का झड़ना बेहद आम है। प्रदूषण, खानपान में पोषण की कमी, अत्यधिक तनाव, बालों की सही तरह से केयर न करना और स्टाइल के चक्कर में बालों में केमिकल का इस्तेमाल करने से असमय ही बाल झड़ने लगते हैं। कई बार तो व्यक्ति गंजा तक हो जाता है, जिससे उसकी नेचुरल ब्यूटी कहीं खो जाती है। तो चलिए आज हम आपको ऐसे कुछ उपाय बताते हैं, जिनकी मदद से आप न सिर्फ बालों का झड़ना रोक सकते हैं, बल्कि उन्हें अतिरिक्त मजबूती व चमक भी प्रदान कर सकते हैं-

हेयर मसाज

बालों को झड़ने से रोकने के लिए सबसे जरूरी है उसे पोषित करना। इसके लिए आप बालों की तेल से मालिश करें। बेहतर होगा कि आप मसाज से पहले ऑयल को हल्का गर्म करें। इससे ऑयल गहराई तक पोषण प्रदान करता है। तेल मालिश करने से सिर में ब्लड सर्कुलेशन बढ़ता है, जिससे बालों को मजबूती मिलती है और वह तेजी से बढ़ते हैं। इतना ही नहीं, इससे हेयरफॉल भी कम होता है।

नारियल का दूध

नारियल का दूध बालों के लिए काफी अच्छा माना जाता है। इसमें विटामिन ई, फैट, प्रोटीन, मिनरल्स व अन्य कई पोषक तत्व होते हैं जो बालों के झड़ने की समस्या को दूर करते हैं। आप एक बाउल में नारियल का दूध लेकर हेयर डाई ब्रश की मदद से उसे बालों पर लगाएं और तौलिए से सिर को कवर कर लें। करीबन आधे घंटे बाद बालों को ठंडे पानी से धो दें। अंत में बालों को शैंपू करें।

मेथीदाना

मेथी के बीज बालों के झड़ने की समस्या को दूर करते हैं। इसके इस्तेमाल के लिए मेथी के बीजों को रातभर के लिए पानी में भिगोकर छोड़ दें। अंत में इन्हें पीसें और बालों में लगाएं। आधे से एक घंटे बाद ठंडे पानी से हेड वॉश करें।

अंडा

अंडा बालों के लिए वरदान समान है। बालों के झड़ने की मुख्य वजह प्रोटीन की कमी है, ऐसे में अगर आप प्रोटीन का पावरहाउस माने जाने वाले अंडे को बालों पर लगाती हैं तो इससे आपके बालों को काफी पोषण मिलता है। इसके इस्तेमाल के लिए आप अंडे को तोड़कर उसका सफेद हिस्सा अलग करें। अब इस सफेद हिस्से में जैतून का तेल मिक्स करें। अब इस पेस्ट को सिर पर लगाएं और करीब आधे घंटे बाद बालों को शैंपू कर लें।

एलोवेरा

एलोवेरा में मौजूद एंजाइम बालों के विकास में मददगार होते हैं। अगर आप एलोवेरा का उपयोग बालों पर करते हैं तो इससे न सिर्फ बालों का झड़ना कम होता है, बल्कि रूसी की समस्या भी दूर होती है। एलोवेरा जेल व रस दोनों का ही इस्तेमाल बालों में कर सकते हैं।

बीमारियां कहीं प्रभावित तो नहीं कर रहीं आपका सेक्स जीवन?

मधुमेह, हृदय घात, रक्तचाप, गुर्दा, पेरोनी, पीलिया एवं गठिया आदि ऐसे रोग हैं जो इंसान के काम-जीवन को प्रभावित करते हैं या यूं कहें कि उनसे सेक्स जीवन अस्त-व्यस्त हो जाता है। इन रोगों के दौरान रोगी के लिए सावधानी, धैर्य व सूझबूझ बरतना जरूरी है। अतः रोगों की चिकित्सा तो अनिवार्य है ही लेकिन यौन जीवन को भी दुरूस्त करने के लिए किसी योग्य व अनुभवी यौन चिकित्सक से सलाह ले लेनी चाहिए। आज की भाग-दौड़ से भरी तनावपूर्ण जिंदगी व्यक्ति को इतना थका देती है कि उसका सीधा असर उसके दाम्पत्व जीवन पर पड़ता है, जब कि दाम्पत्य जीवन को सुखी व आनंदमय बनाए रखने के लिए हर व्यक्ति के मन में अपने जीवन साथी के प्रति संवेदनशीलता एंव एक-दूसरे की जरूरत का भी ध्यान रखना जरूरी होता है।

नई दिल्ली स्थित अशोक क्लीनिक रिसर्च सेंटर के विशेषज्ञ डा।राहुल गुप्ता के अनुसार आप जरा ऐसे विवाहित पुरूष के बारे में सोचें जिसकी सेक्स शक्ति किसी न किसी कारण से क्षीण हो चुकी है। उसके विवाह को भी कई साल हो चुके हैं। वह दिन भर अपने काम-काज में व्यस्त रहकर जब शाम को अपने घर लौटता है और अपना वक्त टीवी देखकर या इधर-उधर की बातें करके खाने के समय तक का समय व्यतीत कर लेता है।

उसके बाद खाना खाकर पत्नी को 'गुडनाइट' कहकर सोने चला जाता है। ऐसे व्यक्ति का दाम्पत्व जीवन क्या सुखी कहलाएगा? उसकी पत्नी अपने पति की इस दिनचर्या पर क्या पति के प्रति आत्मिक प्रेम जुटा पाएगी? कुछ जाने माने यौन विशेषज्ञों ने अपने-अपने शोधों के अनुसार यह निष्कर्ष निकाला है कि दाम्पत्य जीवन की संतुष्टि का मतलब सिर्फ यौन संबंध बनाने तक ही सीमित नहीं है बल्कि पति-पत्नी द्वारा आलिंगन, चुबंन तथा एक दूसरे की बांहों में समाकर अपना समय बिताना भी यौन संतुष्टि की प्रक्रिया में शामिल है।

यदि कोई पुरूष किसी रोग या अन्य कारण वश अपनी सेक्स शक्ति से क्षीण हो चुका है या झटपट सेक्स क्रिया में जुटकर तुरंत पत्नी से दूर हो जाता है और करवट बदलकर सो जाता है तो ऐसी दशा में पत्नी अतृप्त व असंतुष्ट रहती है। इससे वह कोई न कोई मानसिक विकार धारण कर लेती है और

उनके दाम्पत्य जीवन में दरार पड़ने का सिलसिला चल पड़ता है।

इस बारे में हमारी राय है कि जो पुरूष किसी कारण सेक्स शक्ति से क्षीण होकर अपनी पत्नी की अवहेलना करते हैं, उन्हें चाहिए कि वे अपनी पत्नी के प्रति संवेदनशील बनें तथा अपनी जीवन संगिनी की कुछ खास जरूरत को समझें। इसके लिए उनके पास दो विकल्प होते हैं। पहला विकल्प यह है कि वे अपनी सेक्स शक्ति की उदासीनता की दशा में पत्नी की अवेहलता कदापि न करें बल्कि अपना समय पत्नी के साथ ज्यादा से ज्यादा बिताएं। उसका आलिंगन करें, चुंबन लें तथा एक दूसरे के हाथों को चूमें। इस प्रक्रिया से पत्नी का प्रेम सेक्स से उदासीन पुरूष के प्रति बना रहता है।

एक सर्वे के अनुसार आजकल सेक्स संबंधों के मामले में सुखी व संतुष्ट दम्पतियों की संख्या लगातार कम होती जा रही है। क्यों कि साठ प्रतिशत पति-पत्नी ऐसे हैं जो अपने गृहस्थ जीवन की एक पारी खेलने के बाद भी अपने सेक्स जीवन से असंतुष्ट रहते हैं। इसका मुख्य कारण यह है कि पति-पत्नी दोनों में से किसी एक को अक्सर 40-50 साल की उम्र में पहुंचकर सेक्स के प्रति अरूचि होने लगती है। बहुत से दंपति ऐसे भी होते हैं जो एक या दो बच्चे पैदा होने के बाद अपने आप ही सेक्स संबंधों से विमुख हो जाते हैं, भले ही उनकी उम्र 35-40 वर्ष की हो।

कुछ दम्पति ऐसे भी होते हैं जिनमें से एक साथी दूसरे से रूठा हुआ होता है जिसके कारण उनके बीच सेक्स संबंध नहीं होते। कारण चाहे जो भी हो लेकिन यह सच है कि पति-पत्नी के बीच प्रेम-प्यार, आपसी हमदर्दी व लगाव का सबसे बड़ा आधार उनके बीच संपन्न होने वाला सेक्स संबंध ही होता है। अतः दाम्पत्व जीवन में यदि पति-पत्नी में से किसी एक को सेक्स के प्रति अरूचि पैदा हो रही हो तो उन्हें किसी भी तरह की झिझक या शर्म अपने मन में नहीं रखना चाहिए और तुरंत किसी योग्य यौन चिकित्सक से सलाह लेनी चाहिए।-

उनकी सलाह से यह मालूम हो जाता है कि आखिर वह कौन-सी बाधा या समस्या है जिसके कारण उनमें 35-40 यो 45-50 की उम्र में ही सेक्स के प्रति अरूचि या शिथिलता उत्पन्न हो रही है। अब हम इन कारणों के बारे में बता रहे हैं जिनकी वजह से सेक्स में अरूचि या सेक्स शक्ति में कमी आ जाती है। यदि समय रहते कारण जानकर उन व्याधियों व शिकायतों की उचित चिकित्सा कर ली जाए तो दंपति अपनी उम्र के आखिरी पड़ाव तक सेक्स शक्ति से परिपूर्ण बने रहकर सेक्स संबंधों का भरपूर आनंद उठा सकते हैं और अपना संपूर्ण विवाहित जीवन सुखमय व्यतीत कर सकते हैं।

लीजेंड्स लीग क्रिकेट में नहीं खेलेंगे सचिन तेंदुलकर, बताया कारण

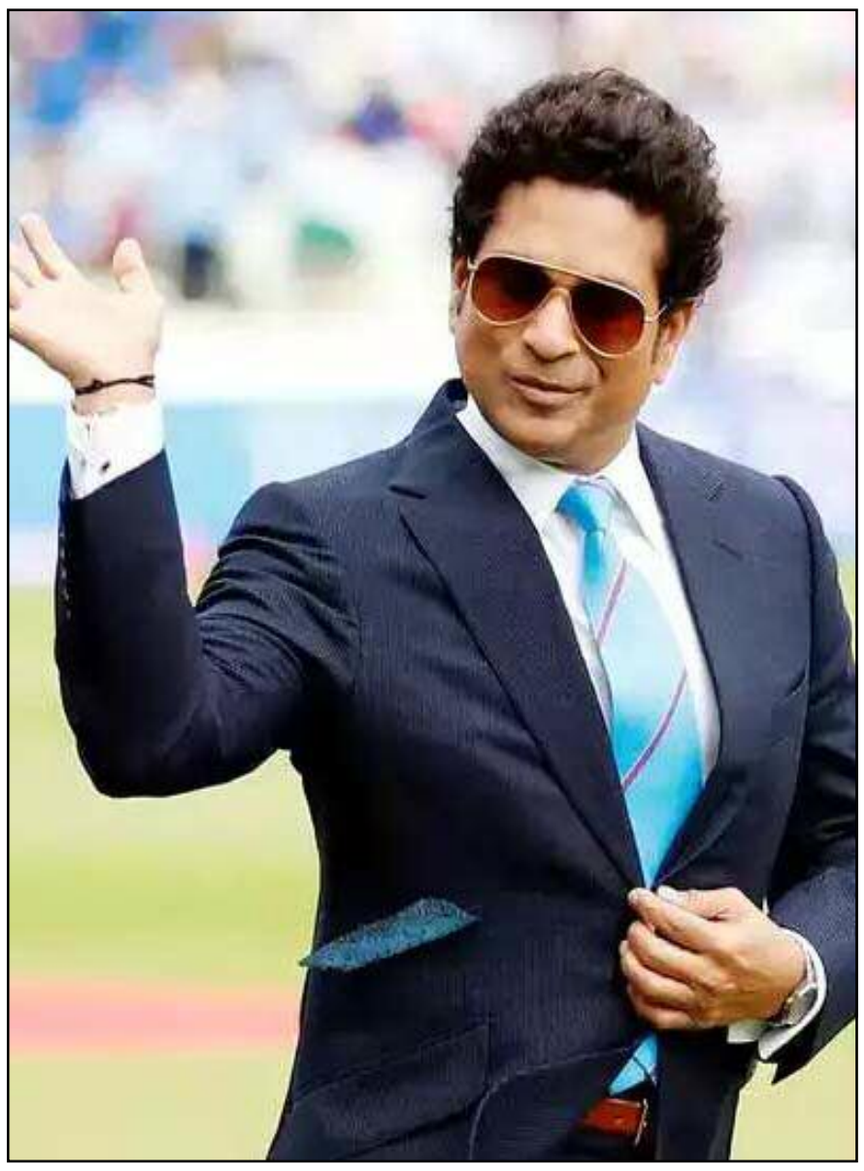

एजेंसी, नयी दिल्ली। 'एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड' ने शनिवार को स्पष्ट किया कि महान बल्लेबाज सचिन तेंदुलकर आगामी 'लीजेंड्स लीग क्रिकेट (एलएलसी)' का हिस्सा नहीं हैं। एलएलसी एक पेशेवर क्रिकेट लीग है जो संन्यास ले चुके खिलाड़ियों के लिए है। इसने हाल ही में अपनी भारतीय टीम की घोषणा की है। अभिनेता अमिताभ बच्चन की मौजूदगी वाले इसके एक प्रचार वीडियो में तेंदुलकर भी दिख रहे है, जिससे लीग में उनकी भागीदारी की भी बात हो रही थी। तेंदुलकर के प्रबंधन का काम देखने वाली कंपनी एसआरटी स्पोर्ट्स के आधिकारिक प्रवक्ता ने हालांकि लीग में उनकी भागीदारी को खारिज कर दिया। एसआरटी स्पोर्ट्स मैनेजमेंट प्राइवेट लिमिटेड के आधिकारिक प्रवक्ता ने कहा, '' तेंदुलकर के 'लीजेंड्स लीग क्रिकेट' में भाग लेने की खबर सच नहीं है। आयोजकों को क्रिकेट प्रशंसकों और अमिताभ बच्चन को गुमराह करने से बचना चाहिए।'' एलएलसी में तीन टीमें होंगी जो 20 जनवरी से शुरु होने वाली लीग में एक दूसरे का सामना करेंगी। भारतीय टीम का प्रतिनिधित्व युवराज सिंह, वीरेंद्र सहवाग, हरभजन सिंह, इरफान पठान और यूसुफ पठान के साथ अन्य खिलाड़ी करेंगे। भारत की टीम का नाम 'द इंडिया महाराजा' होगा। लीग की दो अन्य टीमें शेष विश्व और एशिया एकादश (एशिया लायन्स) की है। एशिया लायन्स में पाकिस्तान, श्रीलंका और अफगानिस्तान के खिलाड़ी हैं जिसमें शोएब अख्तर, शाहिद अफरीदी, सनत जयसूर्या, मुथैया मुरलीधरन, चामिंडा वास, रोमेश कालूवितर्णा, तिलकरत्ने दिलशान, अजहर महमूद, उपुल थरंगा, मिस्बाह-उल-हक, मोहम्मद हफीज, शोएब मलिक, मोहम्मद यूसुफ, उमर गुल और असगर अफगान हैं।

वांडरर्स में जीत सही दिशा में उठाया कदम

तीसरे टेस्ट में रणनीति में अधिक बदलाव नहीं होगा : एल्गर

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। कप्तान डीन एल्गर के अनुसार भारत के खिलाफ वांडरर्स में जीत दक्षिण अफ्रीका की टीम के लिए सही दिशा में उठाया कदम है और सुधार की गुंजाइश के बावजूद अंतिम टेस्ट से पहले मेजबान टीम अपनी रणनीति में अधिक बदलाव नहीं करेगी। पहले टेस्ट में 113 रन की हार के बाद दक्षिण अफ्रीका ने वापसी करते हुए यहां दूसरे टेस्ट में सात विकेट की जीत के साथ तीन मैचों की श्रृंखला 1-1 से बराबर कर दी। 'स्पोर्ट्स24' ने एल्गर के हवाले से कहा, ''यह सकारात्मक कदम है, इसमें कोई संदेह नहीं और सही दिशा में उठाया गया कदम।'' उन्होंने कहा, ''हमें अब भी चुनौतीपूर्ण मुकाबलों का सामना करना है और इसमें मंगलवार से शुरू हो रहा अगला टेस्ट भी शामिल है। हमें अलग तरह की चुनौतियों का सामना करना होगा और महत्वपूर्ण यह होगा कि खिलाड़ी कैसी प्रतिक्रिया देते हैं।'' एल्गर ने दूसरी पारी में नाबाद 96 रन की पारी खेलने के अलावा रेसी वान डेर डुसेन और तेंबा बावुमा के साथ उपयोगी साझेदारियां करके अपनी टीम को जीत दिलाई। कप्तान का मानना है कि इस जीत से उनकी अनुभवहीन टीम अंतिम टेस्ट में जोश से भरी होगी। उन्होंने कहा, ''हालांकि हम सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं और इससे टीम में शामिल कई खिलाड़ियों का आत्मविश्वास बढ़ेगा।'' एल्गर ने कहा, ''हमारी टीम थोड़ी अनुभवहीन है लेकिन हमें पता है कि सभी चीजें हमारे पक्ष में नहीं होंगी।''

भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच श्रृंखला का निर्णायक और अंतिम टेस्ट केपटाउन में न्यूलैंड्स में मंगलवार से खेला जाएगा और एल्गर का मानना है कि मेजबान टीम में सुधार की गुंजाइश है। दक्षिण अफ्रीकी कप्तान ने कहा, ''हमारा ध्यान कुछ विभागों पर है और केपटाउन टेस्ट से पहले हमें उन पर अधिक ध्यान देना होगा।'' उन्होंने कहा, ''हमें अपनी रणनीति का कड़ाई से पालन करना होगा इसलिए केपटाउन टेस्ट में हम अपनी रणनीति में अधिक बदलाव नहीं करेंगे।

फीफा के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर की दौड़ में रॉबर्ट लेवांडोव्स्की

लियोनेल मेस्सी और मोहम्मद सलाह, रोनाल्डो हुए बाहर

एजेंसी, रॉबर्ट लेवांडोव्स्की, लियोनेल मेस्सी और मोहम्मद सलाह को शुक्रवार को फीफा सर्वश्रेष्ठ पुरुष खिलाड़ी पुरस्कार के लिए नामित किया गया था, जबकि बैलन डी ओर विजेता एलेक्सिया पुटेलस को महिला पुरस्कार के लिए नामित किया गया था।

पोलैंड के स्टार लेवांडोव्स्की ने पिछले साल का फीफा पुरस्कार जीता था, लेकिन उन्हें 2021 के बैलोन डी ओर वोटिंग में मेसी के पीछे दूसरे स्थान पर संतोष करना पड़ा। बता दें कि, पुरस्कार समारोह 17 जनवरी को ज्यूरिख में फीफा के मुख्यालय से आयोजित किया जाएगा। पुटेलस, बार्सिलोना टीम के साथी जेनिफर हर्मोसो और चेल्सी के ऑस्ट्रेलियाई स्ट्राइकर सैम केर फीफा सर्वश्रेष्ठ महिला खिलाड़ी पुरस्कार के लिए फाइनल हैं। सर्वश्रेष्ठ पुरुष और महिला खिलाड़ी, कोच और गोलकीपर के पुरस्कारों के लिए दुनिया भर की सभी राष्ट्रीय टीमों के कप्तानों और कोचों द्वारा वोट दिया जाता है, साथ ही प्रशंसकों के एक ऑनलाइन वोटिंग और कुछ चुनिंदा पत्रकारों द्वारा भी मतदान किया जाता है। मैनुएल नेउर, जियानलुइगी डोनारुम्मा और एडौर्ड मेंडी सर्वश्रेष्ठ पुरुष गोलकीपर के लिए दौड़ में हैं, जबकि रॉबर्टो मैनसिनी, थॉमस ट्यूशेल और पेप गार्डियोला सर्वश्रेष्ठ पुरुष कोच के लिए तीन नामांकित व्यक्ति हैं।

आखिरी टेस्ट में इशांत शर्मा की इस खूबी की वजह से कोहली और द्रविड़ उन्हें प्लेइंग इलेवन में दे सकते हैं मौका

एजेंसी, नई दिल्ली। अब सबकी नजर भारतीय टीम प्रबंधन हैं क्योंकि यह देखना होगा कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ होने वाले आखिरी और तीसरे टेस्ट मैच में चोटिल मुहम्मद सिराज की जगह अनुभवी इशांत शर्मा और आउटस्विंगर उमेश यादव में से किसे मौका देगा सिराज को दूसरे टेस्ट के पहले दिन गेंदबाजी करते समय हैमस्ट्रिंग हो गई थी। वह दोनों पारियों में सिर्फ 15.5 ओवर ही फेंक सके थे। कोच राहुल द्रविड़ ने भी इस बात को स्वीकार किया था कि उनकी चोट ने 240 रन के स्कोर का बचाव करने के दौरान टीम की रणनीति को प्रभावित किया। द्रविड़ ने कहा कि यह कहना मुश्किल है कि सिराज अगले कुछ दिनों में फिट हो पाएंगे या नहीं क्योंकि हैमस्ट्रिंग इतनी जल्दी ठीक नहीं होती। ऐसे में भारत के पास मंगलवार से शुरू होने वाले

शुरू हो रहे निर्णायक टेस्ट मुकाबले के लिए दो ही विकल्प हैं। पहला इशांत जो अपनी सर्वश्रेष्ठ फार्म में नहीं है लेकिन उनके पास 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेलने का अनुभव है। दूसरे उमेश हैं जिन्होंने अब तक 51 टेस्ट खेले हैं और हाल के दिनों में इशांत से बेहतर प्रदर्शन किया है। हालांकि द्रविड़ और चोट से उबर रहे कप्तान विराट कोहली दिल्ली के तेज गेंदबाज को मौका देना सही समझेंगे। इसका पहला कारण इशांत की लंबाई है जो करीब छह फीट तीन इंच है। वह दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजों मार्को जेनसेन और डुआने ओलिवर की तरह वहां की पिच पर सही स्पाट पर गेंद को पटककर लंबाई का फायदा उठा सकते हैं। पूर्व भारतीय चयनकर्ता एमएसके प्रसाद इशांत को चुनने के समर्थक हैं। उन्होंने कहा कि हमने जोहानिसबर्ग में एक लंबे तेज गेंदबाज को मिस किया और वह इशांत हैं। ऐसी पिचों पर उमेश के बदले इशांत मेरी पसंद होंगे। अगर भारत की पिच होती तो मैं उमेश को आगे करता। टीम इंडिया के पूर्व विकेटकीपर दीप दासगुप्ता का मानना है कि पिछले कुछ मैचों में भले ही इशांत फार्म में नहीं रहे हैं लेकिन फिर भी केपटाउन में वह उनको खिलाना पसंद करेंगे। दासगुप्ता ने कहा कि मैं यह नहीं कह सकता कि कोहली अभी भी इशांत की क्षमता पर उतना ही भरोसा करते हैं जितना 2019 तक करते थे लेकिन इस मुकाबले में उमेश की तुलना में इशांत अगर खेलते हैं तो ज्यादा कारगार साबित होंगे। पहला तो उनकी लंबाई है। वह कठिन लेंथ पर गेंद डाल सकते हैं। उनमें लंबे समय तक बल्लेबाजों को रोके रखने की क्षमता है। दुर्भाग्य से वांडरर्स में भारतीय गेंदबाज मददगार पिच पर ऐसा नहीं कर पाए थे।

क्या बीसीसीआइ ने बना दिया कोई नया नियम जिसकी वजह से कोहली साउथ अफ्रीका में नहीं कर रहे प्रेस कांफ्रेंस

एजेंसी, नई दिल्ली। भारतीय टेस्ट टीम के नियमित कप्तान विराट कोहली ने साउथ अफ्रीका दौरे पर रवाना होने से पहले आयोजित प्रेस कांफ्रेंस में वनडे टीम की कप्तानी पद से हटाए जाने के मामले पर अपनी बातें सामने रखते हुए सबको चौंका दिया था। इसके बाद टीम इंडिया साउथ अफ्रीका पहुंच गई और वहां पर भारतीय टीम ने दो टेस्ट मैच खेल लिए हैं, लेकिन कोहली एक बार भी प्रेस कांफ्रेंस करने नहीं आए। कोहली ने एक बार भी मीडिया से बात नहीं की है जबकि केएल राहुल और टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ प्रेस मीट में लगातार शामिल हो रहे हैं। विराट कोहली के इतने दिनों तक एक भी प्रेस कांफ्रेंस में शामिल नहीं होने पर उनके बचपन के कोच राजकुमार शर्मा ने अब सवाल उठा दिए हैं। उन्होंने कहा है कि ये समझने में दिक्कत हो रही है कि आखिर टेस्ट कप्तान विराट कोहली को मीडिया से दूर क्यों रखा जा रहा है। एक न्यूज चैनल से बात करते हुए राजकुमार शर्मा ने कहा कि इसका कारण समझ नहीं आ रहा है। मुझे लगता है कि बीसीसीआइ ने कुछ नए नियम बनाए होंगे कि मीडिया को कौन संबोधित करेगा या मीडिया मैनेजर को अधिक अधिकार दिए गए होंगे, कि वह तय करेगा कि कप्तान प्रेस कांफ्रेंस में जाएगा या नहीं। राजकुमार शर्मा ने आगे कहा कि दोनों टेस्ट मैच के पहले और बाद में टेस्ट टीम के नियमित कप्तान के नहीं दिखने की कोई तो वजह रही होगी। यह कहना मुश्किल है कि यह अचानक बदलाव क्यों किया गया है या वास्तव में कोई बदलाव किया गया है या यह संयोग से हुआ है। वहीं दूसरी तरफ टीम के हेड कोच राहुल द्रविड़ ने दावा किया कि कोहली को टेस्ट मैच के दौरान बहुत सारे साक्षात्कार करने हैं और उनके 100 वें टेस्ट मैच से पहले एक प्रेस कांफ्रेंस के लिए बचाया जा रहा है।

गावस्कर ने पुजारा की तुलना इस दिग्गज खिलाड़ी से की

बोले- नियंत्रित और शांति की भावना से भरी होती है पारी

एजेंसी, जोहानिसबर्ग। साउथ अफ्रीका ने भारत के खिलाफ खेले गए दूसरे टेस्ट मैच को 7 विकेट से हराकर 3 मैचों की सीरीज को 1-1 से बराबर कर लिया। भारतीय टीम ने साउथ अफ्रीका को 240 रन का लक्ष्य दिया था, जिसे साउथ अफ्रीका ने 3 विकेट गंवाकर हासिल कर दिया। ऐसे में अगर भारतीय टीम को सीरीज जीतनी है तो केपटाउन में 11 जनवरी से खेले जाने वाले तीसरे और आखिरी टेस्ट मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करना होगा। हालांकि, जोहानिसबर्ग टेस्ट में भारतीय टीम के सीनियर खिलाड़ियों ने काफी निराश किया लेकिन दूसरी पारी में सीनियर खिलाड़ियों के रन बनाने की वजह से टीम बढ़त बनाने में कामयाब हो पाई थी। जिसको लेकर पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर की टिप्पणी सामने आई है। तीसरे दिन का खेल शुरू होते ही भारत की तरफ से चेतेश्वर पुजारा और अजिंक्य रहाणे ने पारी को संभाले हुए था लेकिन पुजारा और रहाणे के आउट हो जाने के बाद टीम ताश के पत्तों की तरफ ढह गई। ऋषभ पंत का बल्ला भी नहीं चला और वो शून्य पर पवेलियन लौट गए। महज ऑलराउंडर हनुमा बिहारी ही एक छोर पर टिके रहे और टीम 266 रन पर ही आलआउट हो गई। इस दौरान चेतेश्वर पुजारा-अजिंक्य रहाणे ने तीसरे विकेट के लिए 111 रनों की साझेदारी की। जिसमें दोनों तेज रन-रेट के साथ खेलते हुए दिखाई दिए। पुजारा ने जहां 86 गेंद पर 53 रन बनाए, वहीं रहाणे ने 76 गेंदों में 56 रन की पारी खेली। पूर्व दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर ने सुपरस्पोर्ट से बात करते हुए सीनियर खिलाड़ी चेतेश्वर पुजारा की जमकर सराहना की और उन्होंने उनकी तुलना साउथ अफ्रीका के दिग्गज खिलाड़ी रहे हाशिम अमला से कर दी। उन्होंने कहा कि जब मैं उसे देखता हूं, तो वह मुझे हाशिम की याद दिलाता है। जब आप हाशिम की बल्लेबाजी देखते हैं तो आपको एक नियंत्रित और शांति की भावना वाली पारी का एहसास होता है। गेंद काफी हरकत कर सकती है लेकिन जब तक हाशिम बल्लेबाजी करते थे तो ऐसा लगता था कि कुछ नहीं हो रहा है और चेतेश्वर पुजारा के साथ भी यही बात है। उन्होंने आगे कहा कि पुजारा जैसे टेम्परामेंट रखने वाले खिलाड़ी ड्रेसिंग रूम के लिए बिल्कुल शानदार हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे टेम्परामेंट वाले खिलाड़ियों का आपके ड्रेसिंग रूम में होना ही काफी महान बात है। यह शायद आपको मैदान पर देखने को न मिले लेकिन चेंजिंग रूम में पुजारा जैसे टेम्परामेंट वाले खिलाड़ी का होना आपके लिए काफी फायदेमंद होता है। क्योंकि अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट कई बार ऐसे क्षण आते हैं जहां खिलाड़ी दबाव में आकर कुछ का कुछ कर बैठता है लेकिन जब आपके पास पुजारा जैसा खिलाड़ी हो जो शांति से इसके बारे में सोचता हो तो यह काफी फायदेमंद साबित हो सकता है।